माघ कृष्ण - 1 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 181 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 26-01-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कोहली ने चौथी बार जीता आईसीसी पुरुष 'वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार

6 जब जयहिंद संदेश तिरंगी बर्फी ने अंग्रेजी सत्ता की नींद उड़ा दी थी

7 क्या अभिनय छोड़ रही हैं परिणीति चोपड़ा?

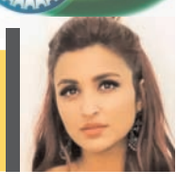

मोदी सरकार की गारंटी

गरीब कल्याण अन्न योजना

80 करोड़ लोगों को हर महीने मिल रहा है मुफ्त राशन

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

हमारा संकल्प विकसित भारत

भारत सरकार

CBC 22201/13/0221/2324

भारत को विकसित राष्ट्र बनाना लक्ष्य : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलंदशहर/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करना है और इसके लिये सभी को मिल कर काम करना होगा।

बुलंदशहर और मेरठ मंडल को 20 हजार 700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देने के बाद पुलिस शूटिंग रेंज मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्य संपन्न होने के बाद अब राष्ट्र प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई देने का समय है। हमें देव से देश और राम से राष्ट्र के मार्ग को और प्रशस्त करना है। हमारा लक्ष्य साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और लक्ष्य बड़ा हो तो उसके लिए हर साधन जुटाना होता है, सबको मिल करके प्रयास करना पड़ता है। विकसित भारत का निर्माण भी यूपी के तेज विकास के बिना संभव नहीं है। इसके लिए हमें खेत-खलिहान से लेकर ज्ञान-विज्ञान, उद्योग-उद्यम तक हर शक्ति को जगाना है। उन्होने कहा कि आज पश्चिमी यूपी को विकास के लिए 19 हज़ार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट भी मिले हैं। ये प्रोजेक्ट्स रेल लाइन, हाईवे, पेट्रोलियम पाइपलाइन, पानी, सीवेज, मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक शहर से जुड़े हुए हैं। आज यमुना और राम गंगा की स्वच्छता से जुड़े प्रोजेक्ट्स का भी लोकार्पण हुआ है।

इस क्षेत्र ने तो देश को कल्याण सिंह जैसा सपूत दिया है, जिन्होंने रामकाज और राष्ट्रकाज, दोनों के लिए अपना जीवन समर्पित किया। आज वो जहां हैं, अयोध्या धाम को देखकर बहुत आनंदित हो रहे होंगे। ये हमारा सौभाग्य है कि देश ने कल्याण सिंह और उनके जैसे अनेकों लोगों का सपना पूरा किया है। लेकिन अभी भी सशक्त राष्ट्र के निर्माण का, सच्चे सामाजिक न्याय का उनका स्वप्न पूरा करने के लिए हमें अपनी गति और बढ़ानी है, और जिसके लिए हमें मिलकर काम करना है। प्रधानमंत्री ने कहा आजादी के बाद के दशकों में लंबे समय तक भारत में विकास को सिर्फ कुछ ही क्षेत्रों तक सीमित रखा गया।

पाकिस्तान खुद की लगाई आतंक की आग में जल रहा है : भारत

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों द्वारा लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी शाहिद लतीफ की हत्या के पीछे भारतीय खुफिया एजेंसियों की भूमिका के पाकिस्तान सरकार के आरोपों को खारिज करते हुए गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान ने आतंक एवं हिंसा की जो आग लगाई आग लगाई है, आज वह उसी में भस्म हो रहा है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने पाकिस्तान विदेश सचिव मुहम्मद साइरस सज्जाद काजी द्वारा की गई टिप्पणियों के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, 'हमने पाकिस्तान के विदेश सचिव की कुछ टिप्पणियों के संबंध में मीडिया रिपोर्टें देखी हैं। यह झूठा और दुर्भावनापूर्ण भारत विरोधी प्रचार करने का पाकिस्तान का नवीनतम प्रयास है।'

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

सभी देशवासियों को

75वें

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएँ

"आज का समय भारत के विकास का अमृतकाल है। आज भारत युवा शक्ति की पूंजी से भरा हुआ है, ऊर्जा से भरा हुआ है। आज हम समय के एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां हमारा हर प्रयास, अगले एक हजार साल के भारत की नींव को मजबूत करेगा।"

- नरेन्द्र मोदी

कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह के विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुबह 9:00 बजे से दूरदर्शन नेटवर्क पर

CBC 22201/13/0231/2324

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार 26 जनवरी 2024 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी 2024 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सफल गणतंत्र

अखिल विश्व को युगों-युगों से,
जिसने दिया ज्ञान उजियारा।
आई कितनी ही बाधाएं,
किंतु नहीं भीतर से हारा।
शांति अहिंसा समरसता का,
जिसने दिया जगत को नारा।
मस्तक ऊंचा करके बोलो,
सफल सबल गणतंत्र हमारा।।

'कवच' का ब्रेकिंग दक्षता परीक्षण सफल

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल ने कहा है कि 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाले एक सेमी-हाई स्पीड इंजन में ट्रेनों की टक्कर रोधी प्रणाली 'कवच' के ब्रेकिंग मापदंडों की दक्षता की जांच करने के लिए किए गए हालिया परीक्षण के परिणाम आशाजनक रहे हैं। अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन द्वारा विकसित 'कवच' प्रणाली ट्रेन चालक के समय पर हरकत में आने में विफल रहने पर आपात स्थिति में स्वत: ब्रेक लगा सकती है। भारतीय रेलवे परिचालन सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपने नेटवर्क पर इस प्रणाली को लागू करने की प्रक्रिया में है। आगरा रेल मंडल की पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तर मध्य रेलवे के उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर कुश गुप्ता की देखरेख में एक सेमी-हाई स्पीड इंजन डब्ल्यूएपी-5 को 'कवच' प्रणाली से लैस किया गया और 19 जनवरी को पलवल-मथुरा खंड पर 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से इसका परिचालन किया गया।

खरतरगच्छ जैन संघ के मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के खरतरगच्छ जैन संघ की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। हर्षोल्लास के साथ मंत्रोच्चारण के बीच प्रतिमाओं को प्रतिष्ठित गणिवर्य श्री मेहुलसागरजी ने कराया। संतों का अक्षत से अभिनंदन किया गया। पूरे संघ में खुशी का माहौल है। बुधवार को सुबह संबंधम रोड स्थित संघ द्वारा नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा आचार्यश्री जिनमणि प्रभसूरीश्वरजी के निर्देशन एवं आशीर्वाद से गणिवर्य श्री मेहुलप्रभजी एवं श्री मंथनप्रभसागरजी ने कराई।

मूल नायक तीर्थंकर मुनिसुव्रत स्वामी की प्रतिमा के के लाभार्थी मोहनीदेवी नेमीचन्द, सुनील कुमार दीपक नाहटा ने प्रतिमा स्थापित की। गुरु गौतमस्वामी की प्रतिमा, जिनदत्तसूरी दादा गुरुदेव की प्रतिमा, नाकोड़ा भैरव की प्रतिमा, मां पद्मावती देवी की मूर्ति आदि का लाभार्थी परिवारों ने स्थापित की। इस मौके पर संघ द्वारा सभी लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया।

मुनिश्री मेहुलप्रभसागरजी म. सा. ने कहा कि रामजी का वनवास 14 साल का था। कोयम्बटूर में भी 14 साल पहले संघ का गठन हुआ था और आज 14 साल के वनवास के बाद मंदिर की प्रतिष्ठा हुई है। नवकारसी, साही करबा के लाभार्थी का भी सम्मान किया गया। संघ की और से विभिन्न धार्मिक मंडलों द्वारा सेवा देने के लिए आभार व्यक्त किया गया।इ स कार्यक्रम में सफल आयोजन में युवक परिषद, महिला परिषद और जिन आज्ञा ग्रुप की अहम भूमिका रही।

गुरु कृपा से हर कार्य सफल होते हैं : मुनि दीप कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारतीनगर, राजपुरम् (तमिलनाडु)। आचार्य श्री महाश्रमण जी के शिष्य मुनि श्री दीपकुमार जी अपने सहयोगी संत मुनि श्री काव्य कुमार जी के साथ गुरुवार को तमिलनाडु में मंगल प्रवेश किया। इस अवसर पर इस अवसर पर वनियामबाड़ी तमिलनाडु के श्रावक जन उपस्थित थे।

मुनिश्री दीप कुमार जी ने इस अवसर पर कहा– गुरु कृपा से हर कार्य सफल होते हैं। गुरुदेव के आदेश अनुसार आज हमने तमिलनाडु में प्रवेश कर लिया। तेरापंथ धर्म संघ में जो गुरु की आज्ञा होती है उस अनुसार शिष्य कार्य करते हैं। हमें विकास महोत्सव पर तमिलनाडु की और विहार करने का आदेश प्राप्त हुआ। हमें इस बात की बड़ी प्रसन्नता है कि आज गुरु की आज्ञा अनुसार हम विजयनगर, बेंगलूरु में चातुर्मास संपन्न कर पाद यात्रा करते हुए तमिलनाडु सानंद पहुंच गए हैं।

आज की विहार सेवा में वानियमबाड़ी के बच्चों और युवको की अच्छी सहभागिता रही।

सम्मान

कोयम्बटूर की मुमुक्षु विभा चौरड़िया, जिनकी दीक्षा आगामी 14 फरवरी को कर्नाटक के शिव्वमोग्गा में होने जा रही है का गुरुवार को कोयम्बटूर जैन महासंघ ने सम्मान किया। संघ द्वारा शॉल ओढाकर, माला पहनाकर एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। संयम जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। मुमुक्षु के माता पिता का भी सम्मान संघ द्वारा किया गया। महासंघ के अध्यक्ष भवरलाल कोठारी, जीतो के कोयम्बटूर इकाई के अध्यक्ष राकेश मेहता, सुपार्श्वनाथ मंदिर के सचिव गौतमचन्द बाफना, मुनिसुव्रत मंदिर के निलित शाह और अन्य गणमान्य इस मौके पर उपस्थित थे।

चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर में हुआ महाभिषेक

बेंगलूरु। यहां महालक्ष्मी लेआउट के श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर के परिसर में पौष सुद पूर्णिमा गुरुवार को परमात्मा का महाभिषेक किया गया।

यहां अद्भुत, अकल्पनीय, अद्वितीय, अलौकिक, अनोखा उमंग और उल्लास के साथ शंखनाद, घंटनाद और विविध वाद्य यंत्रों के साथ दिव्य रत्न जड़ित सुवर्ण औषधियों के द्वारा परमात्मा का अभिषेक किया गया।महिला मंडल के द्वारा बड़ी पूजा धूमधाम से पढ़ाई गई।

पूजा में शीला बंबोरी, अनिता झारमुथा, रिंकू भंसाली, ममता छाजेड़, मीना श्रीश्रीमाल, ललिता चोरड़िया, मनीष दक, वीना दांतेवाड़िया, रीना बंबोरी, वीणा चावत, कला बेताला ने भाग लिया। अभिषेक में विधिकारक धनंजय गुरुजी ने किया।

सतीश चरखा द्वारा कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर 28 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तमिलनाडु केरल पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी सभा चेन्नई के संयुक्त तत्वावधान में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर (कार्यशाला) का आयोजन स्थानीय डीजी वैष्णव कॉलेज के सभागार में 28 जनवरी को होगा।

तमिलनाडु केरल पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध सतीश चरखा, मुंबई से पधार रहे है। इसके साथ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा दक्षिणांचल के उपसभापति अरूण भंगड़िया भी हैदराबाद से उपस्थित रहेंगे।

तमिलनाडु केरल पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सचिव अशोक लखोटिया ने बताया की सतीश चरखा जी पिछले तीस सालों से विभिन्न समाज के संस्थाओं, क्लब कॉलेज, स्कूल, सी ए इंस्टीट्यूट ,आदि में 200 से ज्यादा शिविर लगा चुके है।

तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर

तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर

'अनमोल रिश्ता सास बहू का' कार्यशाला का आयोजन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर के तत्वाधान में यशवंतपुर तेरापंथ सभा भवन में 'अनमोल रिश्ता : सास बहू का' विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ तत्पश्चात् मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत की प्रस्तुति की गई। अध्यक्ष मीना दक ने सभी का स्वागत किया और समताल श्वासप्रेक्षा का प्रयोग करवाया। मंत्री लाडली मुथा ने मुख्य वक्ता निर्मला सोलंकी का परिचय दिया। सास बहू की जोड़ी में मीना व मोनिका भटेवरा ने इस रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए सास बहू के बीच का सामंजस्य को बनाए रखने में नम्रता और विवेक का होना जरुरी है। बहू आल टाइम वर्किंग होती है इसलिए अपनी तुलना वर्किंग महिला से कर अपने अस्तित्व को कम नहीं आंकना चाहिए। इन विचारों को यशोदा व निकिता बरडिया ने प्रकट किया। किस तरह जनरेशन गेप को महत्व न देकर एक–दूजे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। इन विचारों को रेखा और शेफाली पितलिया ने प्रकट किए। मांगीबाई और आशा पितलिया ने कहा सच्चाई और विश्वास से रिश्ते मजबूत होते है। संगीता और ज्योती बरडिया ने कहा नववधू सकारात्मक सोच के साथ में व सासु मां के मार्ग दर्शन से अपने दायित्व को अच्छे से निभा सकती है। पिस्ताबाई और टीना एवं मोनिका पितलिया ने कहा कि हमारी तरक्की मे सास का भी उतना ही श्रम लगता है जितना हमारा। उनके सहयोग के बिना लक्ष्य प्राप्त करने मे कठिनाई अधिक होती है। कार्यक्रम का संचालन टीना व आशा पितलिया ने किया। मुख्य वक्ता ने सभी जोड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि रिश्तों में अपेक्षा कम होने से उपेक्षा भी कम होती है। हर रिश्ते को मजबूत होने में वक्त लगता है उस वक्त तक हमें संयम रखना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन टीना व आशा पितलिया ने किया। कोषाध्यक्ष नीतू बाबेल ने आभार व्यक्त किया। लगभग 30 सदस्यों ने भाग लिया। सास बहू की 8 जोड़ियों ने भाग लिया।

वहीं आरआरनगर तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष सुमन पटवारी के कुशल निर्देशन में 'अनमोल रिश्ता : सास बहू का' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष मंजु बोधरा ने आगंतुकों का स्वागत किया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका पूनम दुग्गड द्वारा समतालश्वास प्रेक्षा का प्रयोग कराया गया। मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणादायक रोचक नाटक की प्रस्तुति हुई। नाटक के द्वारा सदस्यों ने सास बहू के संबंध मे सामंजस्य, मधुरता रहने पर परिवार कैसे खुशहाल हो जाता है दर्शाया। इस नाटक की तैयारी में शारदा बैद एवं विजयलक्ष्मी मणोत का पूर्ण सहयोग रहा। संयोजिका वंदना भंसाली ने सुंदर खुला प्रश्न मंच का आयोजन किया। जिसमें सास और बहू ने अपने अपने विचार रखें । मंडल की वरिष्ठ सदस्य एक्सपर्ट टीम के रूप में उन सब के विचारो की समीक्षा की। उत्साही मंडल की सदस्यों ने सास बहू के रिश्तों पर सुंदर वीडियो बनाकर भेजे। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया । प्रथम स्थान सूरजदेवी बेंगानी, द्वितीय स्थान पर जयंती– निर्मला देवी कोठारी एवं मणी–कानकवरी बाई चौरडिया, तृतीय स्थान पर श्वेता– शकुंतला देवी बांठिया एवं पूर्वी–संगीता बाई सुराणा रहीं। कार्यशाला में भाग लेने वाली सभी महिलाओं को पारितोषिक दिए गए। आभार मंत्री पदमा महेर ने किया। कार्यक्रम का संचालन सह–संयोजिका आशा लोढ़ा ने किया।

रुस्तम मेरवानजी अल्पाईवाला मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित हुईं मधु सिंघल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दिव्यांगों विशेष रूप से दृष्टिबाधितों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके जीवन को एक नई दिशा प्रदान करने के क्षेत्र में विगत तीन दशकों से कार्य कर रही संस्था 'मित्र ज्योति' की संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी सुश्री मधु सिंघल को प्रतिष्ठित रुस्तम मेरवानजी अल्पाईवाला मेमोरियल अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है।

हाल ही में मुंबई में आयोजित पुरस्कार समारोह में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के संयुक्त आयुक्त कस्टम निखिल गोयल ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए मधु सिंघल के अप्रतिम योगदान और प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है। मित्र ज्योति के माध्यम से मधु सिंघल के कुशल नेतृत्व में दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों को स्वतंत्र रूप से जीवनयापन हेतु सक्षम बनाने के साथ ही साथ विभिन्न रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को ब्रेल लिपि में पाठ्यपुस्तकें, आडियो कैसेट्स तथा अन्य डिजिटल उपकरण मुहैया कराकर उनकी मदद भी की जाती है।

उन्होंने अपने अथक प्रयासों के माध्यम से न केवल अनगिनत विकलांग व्यक्तियों के जीवन को बदला है, बल्कि दिव्यांग समुदाय के लिए काम करने वाली अन्य संस्थाओं के लिए एक शानदार उदाहरण भी स्थापित किया है। अधिक समावेशी और सहायक वातावरण बनाने की उनकी प्रतिबद्धता ने दृष्टिबाधित दिव्यांगों के जीवन में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। वर्तमान में सुश्री मधु सिंघल नेशनल फेडरेशन ऑफ ब्लाइंड की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

ईडी की, अपने अधिकारी के खिलाफ जांच सीबीआई को सौंपने संबंधी याचिका पर तमिलनाडु सरकार से जवाब तलब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को हस्तांतरित करने की ईडी की याचिका पर बृहस्पतिवार को तमिलनाडु सरकार से जवाब मांगा। इस अधिकारी को तमिलनाडु सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी निदेशालय (डीवीएसी) ने रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब देने को कहा है। ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आरोप लगाया कि मंत्रियों के खिलाफ जांच से संबंधित फाइलें छीन ली गईं। इसके बाद पीठ ने तमिलनाडु पुलिस से सुनवाई की अगली तारीख पर रिश्वत मामले में एकत्र की गई सामग्री पेश करने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अमित आनंद तिवारी से सुनवाई की अगली तारीख तक रिश्वत मामले की जांच आगे नहीं बढ़ाने को कहा। जब पीठ ने मेहता से पूछा कि क्या ईडी ने भी रिश्वत लेने के आरोपी अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है, तो उन्होंने सकारात्मक जवाब दिया और कहा कि एजेंसी भी उनके खिलाफ जांच करना चाहती है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने तमिलनाडु सरकार और ईडी दोनों से देश के संघीय ढांचे में जांच के लिए एक समुचित तंत्र का सुझाव देने के लिए कहा। उन्होंने कहा ठीक है, आप (ईडी) भी मामले में आगे न बढ़ें। पीठ ने कहा, हम नहीं चाहते कि संघीय ढांचे में जांच को लेकर आरोप-प्रत्यारोप के बीच वास्तविक मामलों में अपराधी छूट जाएं। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा, यह तो सिर्फ शुरुआत है। अगर अलग-अलग राज्यों में, जहां ईडी के अधिकारी तैनात हैं, वहां ऐसा होगा तो इस देश का क्या होगा? आपको सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का सुझाव देना होगा, ताकि हमारे संघीय ढांचे में जांच के लिए एक तंत्र विकसित किया जा सके। पीठ ने ईडी के साथ प्राथमिकी साझा नहीं करने के लिए तमिलनाडु सरकार की खिंचाई करते हुए कहा कि प्राथमिकी को पुलिस की वेबसाइट पर अपलोड किया जाना चाहिए था। ईडी ने अपनी याचिका में तमिलनाडु सरकार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अनुसूचित अपराधों के संबंध में राज्य में दर्ज सभी प्राथमिकियों को साझा करने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया है। एक दिसंबर, 2023 को ईडी के अधिकारी को तमिलनाडु सरकार के सतर्कता और भ्रष्टाचार रोधी निदेशालय (डीवीएसी) ने एक सरकारी कर्मचारी से 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के पास मुरदामलाई स्थित प्रसिद्ध मुरुगन मंदिर में थाईपुसा के मौके पर गुरुवार को भाजपा की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष एवं विधायक वनाती श्रीनिवासन ने भगवान के दर्शन कर राज्य की खुशहाली की कामना की।

अन्नाद्रमुक नेता और पूर्व तमिलनाडु मंत्री अंबलगन की बहू की जलने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक नेता और पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री के.पी. अंबलगन की बहू एम. पूर्णिमा (30) की जलने से मौत हो गई है। पूर्णिमा का गुरुवार सुबह वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) में निधन हो गया। मृतक पूर्णिमा अंबलगन के सबसे छोटे बेटे ए. शशिमोहन की पत्नी थी। 18 जनवरी को पलाकोड गांव में अपने आवास में पूजा के लिए दीपक जलाते समय उनकी साड़ी में आग लग गई थी। हालांकि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, लेकिन रेशम की साड़ी पहने होने के कारण वह गंभीर रूप से झुलस गई। पुलिस ने कहा कि वह 83.5 फीसदी जल गई थी और प्रारंभिक चिकित्सा सहायता के बाद उन्हें तुरंत सीएमसी, वेल्लोर ले जाया गया। उनका इलाज सीएमसी अस्पताल के सर्जिकल आईसीयू में किया गया, लेकिन वह उबर नहीं सकी और उनकी मृत्यु हो गई।

धर्मपुरी के न्यायिक मजिस्ट्रेट ने अगले दिन अस्पताल में उसका बयान भी दर्ज किया। वेल्लोर आरडीओ ने मीडियाकर्मियों को बताया कि जांच करने की कोई आधिकारिक मांग नहीं की गई है और कहा कि अगर मांग आती है ति तो जांच की जाएगी। धर्मपुरी जिले के पलाकोड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और सीएमसी अस्पताल के अधिकारियों ने मीडियाकर्मियों को बताया कि वेल्लोर नॉर्थ पुलिस को मौत के बारे में सूचित कर दिया गया है।

गुरुनानक स्कूल ने मनाया राष्ट्रीय बालिका दिवस

चेन्नई। वेलाचेरी स्थित गुरु नानक मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल में लड़कियों के लिए इंटरस्कूल वॉलीबॉल टूर्नामेंट के साथ राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस को गुरु नानक मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, वेलाचेरी, चेन्नई द्वारा लड़कियों के लिए एक आमंत्रण इंटरस्कूल वॉलीबॉल टूर्नामेंट, चेन्नई कौर्स के पहले संस्करण का शुभारंभ करके मनाया गया। इसकी जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली और चेन्नई की 18 टीमों ने इस टूर्नामेंट में भाग लिया।

शीर्ष चार टीमों को मुख्यअतिथि राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी जी. दिनाकरन ने चमचमाती टॉफी दी। प्रथम पुरस्कार लेडी सिवासामी अय्यर गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल को मिला। उपविजेता रानी मेय्याम्मई हायर सेकेंडरी स्कूल रही। वहीं तीसरा पुरस्कार विजेता अवाडी गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल को और चौथा पुरस्कार कन्नगी नगर गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल को मिला।

खिलाड़ियों को अलग-अलग कप और स्मृति चिन्ह दिए गए। इसके अलावा चयनित सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों एवं उभरते खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया गया।

स्टालिन का थोप्पुर घाट हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये देने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने धर्मपुरी जिले में विभिन्न वाहनों के आपस में टकरा जाने की घटना में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया। सेलम-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग के थोप्पुर घाट खंड पर 24 जनवरी को तीन ट्रक और दो कारें एक के बाद एक कर टकरा गईं। इस हादसे में तीन महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गयी थी तथा आठ अन्य घायल हो गये थे। यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, स्टालिन ने अधिकारियों को जान गंवाने वाले हर व्यक्ति के परिवार को मुख्यमंत्री सार्वजनिक राहत कोष से दो दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये देने का निर्देश दिया है। घायलों का एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मानक मंथन-हितधारक संवाद कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मानक ब्यूरो, चेन्नई शाखा कार्यालय ने 25 जनवरी को होटल सवेरा, चेन्नई में शिशुओं के लिए स्टेनलेस स्टील फीडिंग बोतल (आईएस 18800: 2023) पर बीआईएस - मानक मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया।

चेन्नई शाखा कार्यालय की वैज्ञानिक-ई/निदेशक एवं प्रमुख जी.भवानी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की व्याख्या करते हुए बताया कि बीआईएस उद्योग के लाभ के लिए मानक मंथन नामक चर्चा-कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन कर रहा है जो हर महीने निर्धारित है, समूह और अकादमी और नए मानकों को लॉन्च करने और स्थानीय निर्माताओं, औद्योगिक और व्यापार निकायों, वाणिज्य मंडलों, उद्योग संघों, पीएसयू या ऐसे उत्पादों का उपयोग करने वाले संगठनों, सरकारी विभागों, नियामक निकायों, प्रयोगशालाओं, नागरिक समाज के साथ महत्वपूर्ण संशोधन/संशोधन और व्यापक प्रसार ड्राफ्ट साझा करने की परिकल्पना की गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि दूध पिलाने की बोतलें शिशु देखभाल का एक अभिन्न अंग हैं, जो नवजात शिशुओं को आवश्यक पोषण प्रदान करने के व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले साधन के रूप में काम करती हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने ग्लास और प्लास्टिक फीडिंग बोतलों के लिए विशिष्ट मानक स्थापित किए हैं, जो क्रमशः आईएस 5168:2018 और आईएस 14625:2015 में उल्लिखित हैं और उपभोक्ताओं के बीच स्टेनलेस-स्टील फीडिंग बोतलों की बढ़ती प्राथमिकता के साथ, यह बन गया है।

एक व्यापक मानक स्थापित करना अपरिहार्य है जो उनकी विशिष्ट विशेषताओं को संबोधित करता हो।

बीआईएस नई दिल्ली के वैज्ञानिक-सी/सदस्य सचिव पीजीडी श्रीकृष्ण सुधीन्द्रन तकनीकी सत्र को संभालते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बताया कि बढ़ती मांग के साथ और शिशु स्वास्थ्य के महत्व पर चर्चा की।

ईशा में लिंगा भैरवी में थाईपुसम उत्सव मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां ईशा योग संस्थान में लगा भैरवी के निवास स्थान पर गुरुवार को भक्ति भाव व पूरे उत्साह के साथ थाईपुसम उत्सव मनाया गया।

उत्सव को चिह्नित करने के लिए, सैकड़ों महिला भक्तों ने एक जुलूस में भाग लिया और देवी लिंगा भैरवी, जो कि दिव्य स्त्रीत्व की एक परम अभिव्यक्ति हैं, को अपनी मुलैपरियां (ज्वारे) समर्पित कीं।

मुलैपारी जुलूस सुबह 6:30 बजे अलंदुराई के पास कल्लीपालयम से शुरू हुआ। जाति, धर्म या किसी अन्य प्रकार के आधार पर किसी भी भेदभाव से परे जाकर, स्थानीय ग्रामीण, आदिवासी लोग, विभिन्न भारतीय राज्यों और विदेशों से देवी भक्त इस तीर्थयात्रा में भाग लेने के लिए एक साथ आए।

भक्तों ने लिंगभैरवी थिरुमनी के रथ को खींचा, जो मुलाइपारी में तैयार किया गया था, जबकि पुरुष शक्ति करगम को लेकर जुलूस में चल रहे थे।

थाईपुसम त्योहार के पवित्र दिन पर, कई भक्तों ने देवी की कृपा प्राप्त करने के लिए उन्हें अनाज, नारियल और घी के दीपक चढ़ाए।

इसके अतिरिक्त, आज 'भैरवी साधना' के हिस्से के रूप में हजारों लोगों द्वारा रखे गए 21 दिवसीय उपवास की समाप्ति का दिन है।

गोमती नगर-चेन्नई एकतरफा स्पेशल ट्रेन आज

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूर्वोत्तर रेलवे ने गोमती नगर (यूपी) - डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के बीच वन-वे स्पेशल ट्रेन नंबर 05011 चलाने का निर्णय है।

यह ट्रेन 26 जनवरी शुक्रवार को 15.30 बजे गोमती नगर से रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 06.30 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुंचेगी। इस ट्रेन में 20 द्वितीय श्रेणी स्लीपर कोच और दो सामान सह ब्रेक वैन सहित 22 कोच होंगे।

यह ट्रेन गोमतीनगर से ऐशबाग, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, बीना जं, भोपाल, इटारसी जं., नागपुर, बल्हारशहर, सिरपुर कागजनगर, रामगुंडम, वारंगल, विजयवाड़ा जं, गुडुर जं होते हुए डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुंचेगी।

डॉ. अमर अग्रवाल नॉर्मल गैलोवे अवार्ड से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रवाल ग्रुप ऑफ़ हाई हॉस्पिटल के अध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ अमर अग्रवाल को नॉटिंघम विश्वविद्यालय द्वारा नॉर्मल गैलोवे अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले वह पहले भारतीय डॉक्टर हैं। कार्यक्रम का आयोजन हाल ही में 26वी नॉटिंघम नेत्र संगोष्ठी और अनुसंधान बैठक में हुआ।

इस बैठक का आयोजन आधुनिक बुनियादी विज्ञान तथा नैंदनिक नेत्र अनुसंधान के प्रचार प्रसार की चर्चा के लिए किया जाता है। डॉ अमर अग्रवाल को यह पुरस्कार नेत्र रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर श्रीमती दलिया सईद तथा नॉटिंघम विश्वविद्यालय में नेत्र विज्ञान के अध्यक्ष प्रोफेसर हरविंदर सिंह दुआ द्वारा दिया गया।

इस वैश्विक सम्मान से सम्मानित होने पर डॉक्टर अमर अग्रवाल ने कहा कि नॉर्मल गैलोवे एक प्रसिद्ध ब्रिटिश नेत्र रोग विशेषज्ञ थे जिन्होंने नेत्र विज्ञान के अभ्यास में महान बदलाव को देखा और उन्हें लागू करने में मदद की। मैं उनके नाम पर व्याख्यान देने का अवसर पाना अपना सौभाग्य मानता हूं मुझे उनके नाम का पुरस्कार प्राप्त करने और इन महान सामानों से सम्मानित होने वाला पहला भारतीय डॉक्टर होने पर बहुत खुशी है।

डॉ अमर अग्रवाल नेत्र विज्ञान में अपने क्रांतिकारी नवाचारों के लिए जाने जाते हैं और इसके लिए वह कई पुरस्कार जीत चुके हैं। जिन में सबसे महत्वपूर्ण बैराकेर और केलमैन पुरस्कार है। उन्होंने 80 से अधिक पुस्तके भी लिखी हैं जो विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी है।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Investor Education & Protection Fund Authority IEPF

G20 भारत 2023 INDIA वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण

सार्वजनिक घोषणा

निवेशक/जमाकर्ता जिनके शेयर, अवैतनिक लाभांश, परिपक्व जमा या डिबेंचर आदि कंपनी अधिनियम, 1956/2013 के तहत निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरित कर दिए गए हैं, वे ऑनलाइन धन वापसी का दावा कर सकते हैं।

दावा कैसे दर्ज करें ?

1. एमसीए की वेबसाइट www.mca.gov.in पर खुद को पंजीकृत करें।
2. आईईपीएफए की वेबसाइट पर "Instruction Kit" के निर्देश अनुसर फॉर्म भरें।
3. स्वतः उत्पन्न क्षतिपूर्ति बांड उचित राज्य मूल्य के गैर न्यायिक स्टाम्प पेपर पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
4. ऑनलाइन जमा की गई पावती और फॉर्म का प्रिंट आउट लें और सभी मूल दस्तावेजों को ई-सत्यापन के लिए कंपनी को भेजें।
5. ई-सत्यापन रिपोर्ट के साथ कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए गए समर्थन दस्तावेजों की उचित जांच के बाद, आईईपीएफए द्वारा शेयर/लाभांश स्वीकृत किए जाएंगे।

अपने पंजीकृत यूजर आईडी और एसआरएन का उपयोग करके अपने दावों/धनवापसी की स्थिति को ट्रैक करें। www.mca.gov.in>MCA Services>Investor Services>Track IEPF-5 SRN

एक कदम निवेशक की ओर

75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्पेशल विन्डो सुविधा की एक पहल शुरू की गई है। यह सुविधा एमसीए 21 पोर्टल के माध्यम से धनवापसी/ दावा निपटान के लिए आवेदन करते समय 75 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के दावों को स्वत: प्राथमिकता देती है।

नोट:

- दावेदारों को सलाह दी जाती है कि वे ई-फॉर्म आईईपीएफ-5 तभी फाइल करें जब सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हों।
- आईईपीएफए केवल उन्ही सत्यापित संपर्क विवरण से संचार को स्वीकार करता है, जो दावेदारों द्वारा आईईपीएफ फॉर्म 5 ऑनलाइन भरते समय प्रदान किया गया है।
- ई-सत्यापन रिपोर्ट में कंपनियों द्वारा खारिज किए गए दावों को सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाता है।
- विसंगतियों को सुधारने एवं नया दावा प्रस्तुत करने हेतु, दावेदार कंपनियों और उनके नोडल अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।
- आईईपीएफ प्राधिकरण प्रतिभूतियों (सिक्युअरिटी) को लावारिस या अवैतनिक रहने से बचाने के लिए प्रतिभूतियों में नामांकन (नॉमिनी) की अनुमोदन करता है।

*आईईपीएफए दावों वापसी की प्रक्रिया के लिए कभी भी किसी दलाल/एजेंट/बिचौलिए की भागीदारी का समर्थन नहीं करता है।

जागरूक निवेशक, सतर्क निवेशक, सशक्त निवेशक

हमारे टोल फ्री नंबर पर कॉल करें ✆ 1800 114 667

किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, हमें ई-मेल करें iepf@mca.gov.in

/IEPFAuthority @authorityiepf @iepfa youtube.com/@iepfa8749 iepfauthority

अधिक जानकारी के लिए

CBC 07110/12/0004/2324

गुलाबी नगरी जयपुर में मोदी और मैक्रों का रोड शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जयपुर में मेगा रोड शो किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जंतर मंतर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मैक्रों को जंतर मंतर का भ्रमण करवाया । इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों आमेर किला पहुंचे। इस दौरान उनका वहां स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी उनके साथ मौजूद रही। इससे पहले मैक्रों जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे थे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्यपाल कलराज मिश्र ने उनका स्वागत किया।विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद रहे। मैक्रों गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

दोनों नेता इस वक्त काफी चर्चित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में अयोध्या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कर काफी सुर्खियां बटोरी है, वहीं इमैनुए मैक्रॉन अपने दूसरे कार्यकाल को अहम बनाने के लिए हालही वहां के शिक्षामंत्री 34 वर्षीय गैब्रियल अटल को प्रधानमंत्री बनाकर आ रहे हैं। गैब्रियल अटल फ्रांस के पहले गे प्रधानमंत्री हैं। मैक्रॉन इस फैसले के बाद काफी चर्चा में आए हैं।

दोनों नेताओं के बीच उस वक्त मुलाकात हो रही जब इसी साल भारत में चुनाव होने वाले हैं और यूरोपीय सांसद के भी चुनाव होने हैं। यही वजह है कि फ्रांस के राष्ट्रपति का भारत दौरा कई मायने में अहम हो सकता है। अपने राष्ट्रपति पद को फिर स्थापित करने के लिए मैक्रॉन संघर्ष कर रहे हैं, जिनके लिए भारत दौरा सबसे अहम माना जा रहा है। इसको लेकर दोनों देश बहुत उत्साहित हैं। फ्रांस और भारत दोनों धर्मनिरपेक्ष देश हैं, लेकिन भारत में धर्मनिरपेक्षता को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। इसको लेकर फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रॉन अपनी बात रख सकते हैं। पिछले वर्ष जी-20 में दोनों देशों के प्रमुखों के बीच मुलाकात हुई थी और दोनों देशों के बीच रक्षा समेत कई अन्य क्षेत्रों के समझौते हुए थे। इन पर आगे क्या कार्रवाई हुई और दोनों देश आगे कैसे बढ़ेंगे, इस पर जवाब दे सकते हैं। वैश्विक मुद्दों को लेकर इजराल-हमा संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध, यमन के विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में हमले के कारण आर्थिक स्थिति आदि मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। इसके अलावा अमेरिकी चुनाव, अमेरिका की वैश्विक राजनीति पर दोनों देशों के बीच चर्चा हो सकती है। इन मुद्दों पर दोनों ही देश साझा बयान भी जारी कर सकते हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने आमेर किले का दौरा किया। मैक्रॉन ने जयपुर के आमेर किले में राजस्थानी चित्रकला की सराहना की और कलाकारों से बातचीत कीफ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने जयपुर के आमेर किले में भारतीय छात्रों के साथ बातचीत की।

मोदी ने जंतर मंतर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जंतर मंतर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मैक्रों को जंतर मंतर का भ्रमण करवाया । इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों आमेर किला पहुंचे। इस दौरान उनका वहां स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी उनके साथ मौजूद रही। इससे पहले मैक्रों जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे थे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्यपाल कलराज मिश्र ने उनका स्वागत किया।विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद रहे। मैक्रों गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

दोनों नेता इस वक्त काफी चर्चित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में अयोध्या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कर काफी सुर्खियां बटोरी है, वहीं इमैनुए मैक्रॉन अपने दूसरे कार्यकाल को अहम बनाने के लिए हालही वहां के शिक्षामंत्री 34 वर्षीय गैब्रियल अटल को प्रधानमंत्री बनाकर आ रहे हैं। गैब्रियल अटल फ्रांस के पहले गे प्रधानमंत्री हैं। मैक्रॉन इस फैसले के बाद काफी चर्चा में आए हैं।

दोनों नेताओं के बीच उस वक्त मुलाकात हो रही जब इसी साल भारत में चुनाव होने वाले हैं और यूरोपीय सांसद के भी चुनाव होने हैं। यही वजह है कि फ्रांस के राष्ट्रपति का भारत दौरा कई मायने में अहम हो सकता है। अपने राष्ट्रपति पद को फिर स्थापित करने के लिए मैक्रॉन संघर्ष कर रहे हैं।

लोकतंत्र की आत्मा है मतदान : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने मतदान को लोकतंत्र की आत्मा बताते हुए बृहस्पतिवार को मतदान जागरूकता के लिए समर्पित भाव से काम करने का आह्वान किया। वह 14 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने सशक्त लोकतंत्र की खातिर मतदान जागरूकता के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा की मतदान लोकतंत्र की आत्मा है, इसलिए प्रयास करें कि राज्य का हर पात्र व्यक्ति लोकतंत्र के महायज्ञ में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि मतदाता जागरूकता के लिए चलाया जा रहा अभियान हर स्कूल, कॉलेज से लेकर गांव-गांव तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर एक वोट महत्वपूर्ण होता है।राज्यापाल ने कहा, अधिक से अधिक लोग मतदान में हिस्सा लेंगे तभी राज्य और राष्ट्र को हम कुशल नेतृत्व प्रदान करने की मुहिम में आगे बढ़ सकेंगें।

मिश्र ने भारतीय लोकतंत्र को विविधता में एकता पर आधारित करार देते हुए कहा, भारत के लोग ही वह शक्ति हैं जो देश के संविधान को सक्षम, शक्तिपूर्ण और महत्वपूर्ण बनाते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हर नागरिक सोच समझ कर अपने मतदान का उपयोग करे। अच्छे जनप्रतिनिधियों का चुनाव यदि हम करते हैं तो देश और समाज तेजी से आगे बढ़ेगा और सर्वांगीण विकास की नई और उज्ज्वल राहें खुलेगी। उन्होंने इस अवसर पर वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम पोस्टर का लोकार्पण किया।

उन्होंने दो नए युवा मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र भी प्रदान किया। उन्होंने निर्वाचन और मतदाता जागरूकता में महती भूमिका निभाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को इस मौके पर स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि अभी भी हर चार में एक मतदाता मताधिकार का उपयोग नहीं कर रहा है, इसे ध्यान में रखते हुए मतदान के लिए लोगों को अधिकाधिक प्रेरित करने की जरूरत है। राज्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता ने नगर निकायों और पंचायत राज संस्थाओं में कराए जाने वाले चुनावों के अंतर्गत मतदान जागरूकता के लिए किए जाने वाले प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शिता से निर्वाचन के लिए राजस्थान में किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने बताया की पूरे देश में ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम नव पंजीकृत मतदाताओं का सर्वाधिक आवेदन राजस्थान में हुआ है।

खनन कार्य की अनुमति से पहले ही एक लाख टन से अधिक सिलिका सेंड का अवैध खनन, राज्य सरकार को लगाया करोड़ों का चूना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ राज्यव्यापी संयुक्त अभियान के दौरान नागौर के मूंडवा के पास अवैध खनन का बड़ा और अनोखा मामला सामने आया है। खनन विभाग द्वारा लीज धारक से कंसेट टू आपरेट अर्थात खनन कार्य शुरु होने की अनुमति से पहले ही एक लाख टन से अधिक खनिज सिलिका सेंड का अवैध खनन कर राज्य सरकार को करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचा दिया वहीं अब जांच के बाद नियमानुसार दस गुणा जुर्माना वसूला जाएगा।

राज्य सरकार को गोपनीय सूत्रों से मामले की जानकारी मिलने पर खान सचिव श्रीमती आनन्दी ने दूसरे जिले के अधिकारियों की विशेष टीम गठित कर मौके पर भेज कर जांच कराने पर पूरे मामलें का खुलासा हुआ है। जांच में बड़ी मात्रा में अवैध खनन पाया गया है वहीं अब विभाग ने कड़ी कार्यवाही करते हुए इस तरह के दो स्थानों पर एक लाख 8 हजार 305 टन से अधिक अवैध खनन आकलन कर बड़ी कार्यवाही करते हुए 11 करोड़ 90 लाख से अधिक का जुर्माना प्रस्तावित किया है। दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक अधिकारी को सस्पेंड भी किया गया है। खान विभाग ने बेहद गोपनीय तरीके से कार्यवाही करते हुए नागौर मूंडवा क्षेत्र के इस मामलें में अधीक्षण खनि. अभियंता अजमेर पीआर आमेटा को टीम बनाकर तत्काल गोटन पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। आमेटा को गोटन पहुंचने पर अवैध खनन स्थान गोटन के पास खजवाना गांव भेजा गया। वहां पर पीआर आमेटा, खनि अभियंता अजमेर जय प्रकाश गोदारा, तहसीलदार मूंडावा, राजकुमार सिहाग और अन्य अधिकारियों की टीम ने मौका स्थल पर भारी मात्रा में सिलिका सेंड का अवैध खनन के निर्गमन के प्रमाण पायें। दर असल इनमें से एक लीज खान विभाग द्वारा हाल ही में जारी की गई थी और इसी माह की 8 जनवरी, 2024 को कंसेंट टू ऑपरेट हुआ था। जबकि मौके पर आवश्यकता से बड़ी पिट से 71हजार 498 टन सिलिका सेंड का खनन कर निर्गमन का आकलन किया गया। इसमें 533 टन सिलिका सेंट का वैधानिक निर्गमन और 9 हजार टन का स्टॉक मौके पर मिला। इसके अलावा मौका मुआयना पर टीम द्वारा 61 हजार 966 टन सिलिका सेंड का अवैध खनन और निगर्मन पाया गया। जांच दल द्वारा इस पर 6 करोड़ 81 लाख रु. की शास्ती लगाई है।

सांभर उत्सव आज से

जयपुर, । राजस्थान पर्यटन विभाग व जयपुर जिला प्रशासन की ओर से 26-27-28 जनवरी को सांभर लेक टाऊन में सांभर उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस तीन दिवसीय उत्सव का शुभारम्भ माननीय उपमुख्यमंत्री, पर्यटन दिया कुमारी जी द्वारा किया जाएगा। सांभर उत्सव का विधिवत शुभारम्भ माननीय उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जी हैरिटेज वॉक के साथ करेंगी। हैरिटेड वॉक शुक्रवार सुबह 11.30 बजे सांभरलेक टाऊन के छोटा बाजार स्थित सूर्य मंदिर से प्रारंभ होगी। यह हैरिटेज वॉक अखाड़ा घनाघन जी उस्ताद, पुरानी एसडीएम कोर्ट, शामलात, अखाड़ा लाल बाबा, दादू द्वारा, बड़ा बाजार, अखाड़ा हरदेव जी उस्ताद, सांभर पुस्तकालय होते हुए कटला बाजार सेंट्रल बैंक के पास संपन्न होगी। गौरतलब है कि इस हैरिटेज वाक मे सांभर के इतिहास और संस्कृति के बारे में बहुत कुछ जानने का अवसर मिलेगा।

पर्यटन विभाग के उप निदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि हैरिटेज वॉक की थीम हमारा स्वर्णिम अतीत.. जो आधार बन रहा है सुनहरे भविष्य का.. रखी गई है। उन्होंने कहा कि सैलानियों को प्रदेश की कला व लोक संस्कृति के साथ साथ विरासत व परंपराओं को नजदीक से देखने का मौका मिलेगा। देशी-विदेशी सैलानी इस उत्सव के दौरान एडवेंचर टूरिज्म लुत्फ भी उठा सकेंगे। शेखावत ने बताया कि सांभर उत्सव के दौरान सैलानियों को धार्मिक- विरासत व सहासिक पर्यटन को मेल देखने को मिलता है वहीं लोक-कला संस्कृति के साथ ही नमक उत्पादन की प्रक्रिया को सैलानी समझ पाते हैं।

सुनवाई

जयपुर में गुरुवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास (ओटीएस) पर जनसुनवाई की। उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं को सुना और अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

रक्तदान जैसे मानवीय कार्य के लिए युवा शक्ति आगे आए : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अर्न्तमन में निहित स्व-प्रेरणा से ही रक्तदान जैसा महान कार्य किया जाता है इसीलिए रक्तदान ही महादान है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक रक्तदान जैसा मानवीय कार्य करने के लिए आह्वान किया। शर्मा जोधपुर में निर्मल गहलोत चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा स्थापित रविशंकर ब्लड डोनेशन सेंटर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 'रक्तशाला एप' लॉन्च करते हुए 50 बार से अधिक रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तशाला एप पर सभी जानकारियां मिलने से आमजन के बीच रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और वे इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आध्यात्मिक गुरू रविशंकर का अभिनंदन करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से ही इस ब्लड डोनेशन सेंटर ने मूर्तरूप लिया है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री हरिशंकर भाभड़ा का निधन, राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व उपमुख्यमंत्री हरिशंकर भाभड़ा का यहां निधन हो गया। वह कई दिनों से बीमार थे। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व कई नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। भाभड़ा का जन्म 1928 में डीडवाना (नागौर) में हुआ था। वह राज्य के उपमुख्यमंत्री व दो बार विधानसभा अध्यक्ष रहे। भाभड़ा कई दिनों से बीमार थे। राज्यपाल मिश्र ने भाभड़ा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, हरिशंकर भाभड़ा राष्ट्रीयता के विचारों से ओतप्रोत संसदीय परंपराओं में गहरी आस्था रखने वाले राजनीतिज्ञ थे। वह आम जन के प्रति जवाबदेही शासन व्यवस्था और राजनीति में शुचिता के प्रबल पक्षधर थे।

उनका निधन अपूरणीय क्षति है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भाभड़ा के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि वे कुशल जन प्रतिनिधि थे। उन्होंने राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई।

मोदी के वर्चुअल संवाद से जुड़े सैकड़ों नव मतदाता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य पर गुरुवार को जयपुर में आयोजित भारतीय जनता युवा मोर्चा के नमो मतदाता सम्मेलन में नव मतदाताओं को वर्चुअल संबोधित किया।

सम्मेलन का मुख्य आयोजन सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के महात्मा ज्योतिबा फुले विश्वविद्यालय में किया गया जहां प्रधानमंत्री के नव मतदाताओं के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान राज्य के स्वायत्त शासन और नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक गोपाल शर्मा, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, महात्मा ज्योतिबा फुले विश्वविद्यालय के चेयरमैन निर्मल पंवार, एथलीट देवेन्द्र झांझडिया, प्रदेश भाजपा आईटी प्रमुख वीरेंद्र कटारा, जिला मंत्री एवं पार्षद रेखा राठौड़ मौजूद थे ।

इस मौके गोपाल शर्मा ने कहा कि अपने संस्मरण साझा करते हुए युवाओं को बताया कि जब मोदी ने लाल चौक के लिए यात्रा शुरू की थी उस समय उनकी उम्र 41 साल थी, जब वे जालंधर पहुंचे तो कलेक्टर ने कहा कर्फ्यू है यहां सभा नहीं हो सकती। इस पर मोदीजी ने कहा कि दुनिया के कितने ही आतंकवादी संगठन, कितने ही उग्रवादी, दुनिया की कोई भी ताकत पूरी शक्ति लगा करके विरोध करें तो भी 26 जनवरी को सुबह आठ बजे हम लोग लाल चौक पर तिरंगा फहरा करके रहेंगे। इसके 48 घंटे के बाद उन्होंने तिरंगा फहराने का काम किया।

उन्होंने कहा कि आज आपका भविष्य सुरक्षित हाथों में हैं। आज जनधन योजना के तहत राजस्थान के तीन करोड़ 34 लाख परिवारों को सीधे खाते खुलने का अवसर प्राप्त हुआ। राजस्थान के ढाई करोड़ लोगों को रुपए कार्ड स्कीम से जोड़ा गया। राजस्थान के करोड़ 70 लाख लोगों को आयुष्मान भारत स्कीम से जोड़ा गया। 40 लाख घरों के अंदर नल से पानी आया केंद्र सरकार की स्कीम के कारण। प्रदेश के 70 लाख घरों में गैस जल रही है तो केंद्र की उज्ज्वला योजना से। इससे समझा जा सकता हैं कि देश तरक्की कर रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हमें क्या करना है।

चुनावी प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक का उपयोग सभी लोकतंत्रों के लिए उदाहरण : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा चुनावी प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल दुनिया के सभी लोकतंत्रों के लिए एक उदाहरण है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में इसका उपयोग बढ़ाया जाएगा।

राष्ट्रपति ने महिलाओं, दिव्यांगों और कमजोर समूहों की भागीदारी बढ़ाकर समावेशी चुनाव सुनिश्चित करने में चुनाव आयोग के प्रयासों की भी सराहना की। राष्ट्रपति यहां 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। चुनाव आयोग की स्थापना भारत के गणतंत्र बनने से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को की गई थी। पिछले 14 वर्षों से चुनाव आयोग का स्थापना दिवस राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मुर्मू ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में चुनाव प्राधिकरण ने 17 लोकसभा चुनाव और 400 से अधिक विधानसभा चुनाव आयोजित किए हैं। लोकसभा चुनाव कराने की प्रक्रिया को दुनिया का सबसे बड़ा अभ्यास बताते हुए उन्होंने कहा कि लोगों ने 12 लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदान किया और इस अभ्यास का प्रबंधन 1.5 करोड़ मतदान कर्मियों द्वारा किया गया। राष्ट्रपति ने यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा किए गए प्रयासों का भी उल्लेख किया कि कोई भी मतदाता छूट न जाए। इस अवसर पर चुनाव आयोग के प्रकाशन 'आम चुनाव 2024 के लिए ईसीआई पहल' की पहली प्रति मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार द्वारा राष्ट्रपति मुर्मू को प्रस्तुत की गई। यह पुस्तक चुनाव के स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी, सुलभ और भागीदारीपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग के प्रत्येक प्रभाग द्वारा की गई पहलों का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करती है। फिल्म निर्माता राज कुमार हिरानी के सहयोग से ईसीआई द्वारा निर्मित एक लघु मतदाता जागरूकता फिल्म 'माई वोट माई ड्यूटी' भी प्रदर्शित की गई।

लघु फिल्म में कई मशहूर हस्तियों को उनके संदेशों के साथ लोकतंत्र की भावना और वोट की शक्ति को उजागर करते हुए दिखाया गया है। अपने संबोधन में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने चुनाव में महिलाओं का मतदान सुनिश्चित करने का श्रेय संविधान निर्माता बी आर आंबेडकर को दिया। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने 1928 में ही महिलाओं के लिए वोट देने के अधिकार का मुद्दा उठाया था।

भारत को चक्रीय अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने के लिए पुनर्चक्रण अहम: प्रल्हाद जोशी

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को संसाधनों के अधिकतम उपयोग वाली चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिए धातुओं के पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) को अहम बताते हुए कहा कि यह प्रक्रिया सीमित संख्या में मौजूद प्राकृतिक संसाधनों पर बोझ घटाती है।

कोयला और खान मंत्री जोशी ने यहां आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय सामग्री पुनर्चक्रण सम्मेलन (आईएमआरसी) को संबोधित करते हुए कहा कि खनिजों के भंडार सीमित हैं और इस्पात एवं एल्युमीनियम जैसी धातुओं के पुनर्चक्रण से इन सामग्रियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर बोझ कम हो जाता है। उन्होंने अपने वीडियो संबोधन में कहा कि पुनर्चक्रण टिकाऊ होने की वजह से महत्वपूर्ण है। यह धातु प्रसंस्करण में ऊर्जा की खपत को कम करके उपलब्ध संसाधनों की खपत में अहम भूमिका निभाता है। जोशी ने कहा, सरकार भारत को चक्रीय अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाना चाहती है। हालांकि, इसके साथ खनन भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह क्षेत्र देश में करोड़ों लोगों को आजीविका मुहैया कराता है। उन्होंने कहा कि रिसाइक्लिंग प्रक्रिया से धातुओं के कबाड़ को कूड़ाघर से हटाने में मदद मिलती है, कार्बन उत्सर्जन को संतुलित करने में मदद करती है और ऊर्जा की खपत भी कम होती है।

'राम राज्य' से प्रेरणा लेकर काम कर रही है दिल्ली सरकार : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली सरकार 'राम राज्य' से प्रेरणा लेकर अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं, वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन दे रही है तथा चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति और निशुल्क जलापूर्ति कर रही है।

केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम ने कभी जाति और धर्म के नाम पर कोई भेदभाव नहीं किया, लेकिन आज हमारा समाज ''उन आधार पर बंटा हुआ है।

मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार की ओर से गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार 'राम राज्य' से प्रेरणा लेकर अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं दे रही है। भगवान राम ने कभी जाति और धर्म के नाम पर कोई भेदभाव नहीं किया, लेकिन आज हमारा समाज ''उन आधार पर बंटा हुआ है। केजरीवाल ने यह बात अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के कुछ दिन बाद कही।

उन्होंने कहा, राम राज्य से प्रेरणा लेकर प्रशासन चलाने में सातों दिन चौबीस घंटे बिजली आपूर्ति भी शामिल है। इसका तात्पर्य बुजुर्गों का आदर भी है और हम उनकी पेंशन बढ़ाकर तथा उनके लिए निशुल्क तीर्थयात्रा की व्यवस्था कराकर, ऐसा कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, इसमें गरीबों तथा मध्यम वर्ग को निशुल्क जलापूर्ति मुहैया कराना भी शामिल है। हम सत्ता में आने के बाद से ही यह कर रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने कहा कि हालांकि दिल्ली पुलिस उनके नियंत्रण में नहीं है फिर भी आम आदमी पार्टी (आप) इन मुद्दों पर भी काम करने की कोशिश करती है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट आने के एक साल पूरे होने पर गौतम अडाणी ने कहा, 'हम मजबूत होकर उभरे हैं'

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति गौतम अडाणी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल पेश हुईं '' जांचों तथा कठिनाइयों '' ने अडाणी समूह को और मजबूत बनाया है जिससे यह वृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहा है, परिसंपत्ति आधार में सुधार कर रहा है और धारावी पुनर्विकास सहित प्रमुख परियोजनाएं शुरू कर रहा है। अडाणी ने अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग एवं शोध फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के एक साल पूरे होने पर यह बयान दिया। हिंडनबर्ग रिसर्च की 24 जनवरी 2023 को जारी रिपोर्ट में अडाणी समूह की कंपनियों पर शेयरों के भाव में हेराफेरी और वित्तीय गड़बड़ियां करने के आरोप लगाए थे। हालांकि, समूह ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। अडाणी ने एक प्रमुख समाचार पत्र में लिखे लेख में कहा कि अडाणी समूह ने कुछ कंपनियों में हिस्सेदारी की बिक्री के जरिए 40,000 करोड़ रुपए की इक्विटी जुटाई जो अगले दो वर्षों के लिए ऋण चुकौती के बराबर है, तथा समूह ने 'मार्जिन-लिंक्ड' वित्तपोषण के 17,500 करोड़ रुपए चुकाए और कर्ज में कटौती की। परिचालन पर निरंतर ध्यान देने से चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक तिमाही लाभ हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ जयपुर में किया रोड शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने बृहस्पतिवार को यहां परकोटे में स्थित जंतर मंतर से हवा महल तक रोड शो किया। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री मोदी व राष्ट्रपति मैक्रों खुली छत वाले वाहन में खड़े थे। दोनों नेताओं ने सड़क के दोनों ओर खड़े जनसमूह का अभिवादन स्वीकार किया। लोगों ने 'मोदी मोदी' के नारे भी लगाए। उनपर अनेक जगह फूलों की वर्षा की गई।

मैक्रों 26 जनवरी को दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि हैं। इससे पहले मोदी ने बृहस्पतिवार शाम जयपुर के ऐतिहासिक जंतर मंतर में फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी व राष्ट्रपति मैक्रों ने एक दूसरे से हाथ मिलाया व गर्मजोशी से गले मिले। इसके बाद दोनों नेताओं ने ऐतिहासिक जंतर मंतर का अवलोकन किया तथा उसके बारे में जाना। अपने भारत दौरे के तहत मैक्रों बृहस्पतिवार दोपहर जयपुर पहुंचे। हवाई अड्डे पर राज्यपाल कलराज मिश्र, विदेश मंत्री एस जयशंकर और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मैक्रों का स्वागत किया। वहीं, उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के दौरे पर गए प्रधानमंत्री मोदी शाम में जयपुर पहुंचे। हवाई अड्डे से मोदी जयपुर के परकोटे में स्थित जंतर मंतर के लिए रवाना हो गए। रास्ते में जगह जगह लोग व स्कूली बच्चे उनके स्वागत के लिए खड़े थे। मैक्रों हवाई अड्डे से आमेर के किले पहुंचे। रास्ते में जगह जगह स्कूली बच्चों व आम लोगों ने काफिले का स्वागत किया। मैक्रों ने कई जगह हाथ हिलाकर बच्चों का अभिवादन किया।

उज्जैन में वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा गिराए जाने के बाद दो गुटों में झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उज्जैन (मप्र)/भाषा। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में बृहस्पतिवार सुबह कुछ लोगों द्वारा पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा गिराए जाने के बाद दो समुदायों के सदस्य आपस में भिड़ गए और एक-दूसरे पर पथराव किया।

उन्होंने बताया कि घटना जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित माकड़ोन इलाके में हुई, जहां बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनात की गई है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें लोगों का एक समूह ट्रैक्टर की मदद से खींच कर प्रतिमा को गिराते दिख रहा है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि वे चाहते थे कि पटेल की जगह उस स्थान पर डॉ. बी आर आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की जाए। उन्होंने बताया कि पटेल की प्रतिमा बुधवार देर रात माकड़ोन बस स्टैंड के निकट एक स्थल पर स्थापित की गई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) नितेश भार्गव ने पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया कि वे पूछताछ कर रहे हैं कि प्रतिमा कब स्थापित की गई थी। उन्होंने कहा कि जांच जारी है जिसके बाद मामले दर्ज किए जाएंगे। यह पूछे जाने पर कि पथराव में कितने लोग घायल हुए हैं, इस पर उन्होंने कहा, अब तक किसी ने हमें इसकी सूचना नहीं दी है। भार्गव ने कहा, अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। हमने माकड़ोन इलाके में दो समुदायों के सदस्यों द्वारा फेंके गए पत्थरों को मौके से हटा दिया है।

फेसबुक पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ वाम विधायक की टिप्पणी से उठा विवाद

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केरल में एक वामपंथी विधायक की फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिये भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के खिलाफ की गई टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है। त्रिशूर विधानसभा सीट से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के विधायक पी बालाचंद्रन ने विवाद उठने के बाद, फेसबुक से पोस्ट को वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने तो केवल एक पुरानी कहानी पोस्ट की थी लेकिन इससे भगवान राम के भक्तों को जो पीड़ा हुई उसके लिए वह खेद व्यक्त करते हैं। उन्होंने एक अन्य फेसबुक पोस्ट में कहा, मैंने पिछले दिनों फेसबुक पर एक पुरानी कहानी पोस्ट की थी। मेरा इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। मैंने इसे कुछ ही मिनटों में वापस ले लिया, इसलिए किसी को इसके बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए। मैं माफी मांगता हूं। भाजपा ने बालाचंद्रन की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि केवल एक कम्युनिस्ट ही करोड़ों हिंदुओं की आस्था को कुचल सकता है। पार्टी ने कहा कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने के लिए व्यापक आलोचना का सामना करने के बाद बालाचंद्रन ने फेसबुक पोस्ट को वापस ले लिया।

'इंडिया' गठबंधन केवल तस्वीर खिंचवाने के लिए, जमीन पर कहीं नहीं : भाजपा

श्रीनगर/भाषा। भाजपा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में उसका एकजुट होकर मुकाबला करने के लिए गठित विपक्षी दलों का 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन केवल तस्वीर खिंचवाने के लिए है और जमीन पर वह कहीं नहीं है। भाजपा की यह प्रतिक्रिया बंगाल में सत्तारूढ़ और 'इंडिया' गठबंधन में शामिल तृणमूल कांग्रेस द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव राज्य में अकेले लड़ने की घोषणा के बाद आई है। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने कहा, हमारे नेता पहले ही कह चुके हैं कि यह (गठबंधन) फोटो खिंचवाने के सिवा कुछ भी नहीं है। उन्होंने तस्वीरें खिंचवा लीं और आप देखेंगे कि इस गठबंधन का क्या होगा। आपने देखा कि पश्चिम बंगाल, दिल्ली और पंजाब में क्या हुआ, और क्या बचा है?

देशभर में व्याप्त अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेगा 'इंडिया' गठबंधन: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कूच बिहार (पश्चिम बंगाल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) देशभर में अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेगा। एक दिन पहले ही 'इंडिया' के घटक दल तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने राज्य में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की थी।

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' ने बृहस्पतिवार को असम से पश्चिम बंगाल में प्रवेश किया और यह कूच बिहार जिले के बशीरहाट पहुंची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने यहां पहुंचने पर राहुल गांधी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर नफरत और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि यात्रा से 'न्याय' शब्द को इसलिए जोड़ा गया है क्योंकि 'देशभर में अन्याय व्याप्त है'। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, भाजपा और आरएसएस नफरत और हिंसा फैला रहे हैं। हमने यात्रा के साथ 'न्याय' शब्द जोड़ा है क्योंकि देशभर में अन्याय व्याप्त है। 'इंडिया' गठबंधन देशभर में व्याप्त अन्याय के खिलाफ लड़ेगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को अचानक घोषणा की कि लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में अकेले मैदान में उतरेगी। इससे विपक्षी गठबंधन को झटका लगा।

भगवान की तस्वीरें दिखाने से लोगों का पेट नहीं भरेगा: खरगे

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भगवान की तस्वीरें दिखाकर लोगों का पेट नहीं भरा जा सकता। पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए खरगे ने यह भी कहा कि लोगों को प्रधानमंत्री मोदी के 'जाल' में नहीं फंसना चाहिए।

खरगे ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा, भगवान की तस्वीरें दिखाने से लोगों का पेट नहीं भरेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में महंगाई हर दिन बढ़ रही है और लोगों के पास नौकरियां नहीं हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी संकट के समय पाकिस्तान, चीन जैसे बहाने लेकर आते हैं और भगवान का नाम लेने लगते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने पहले भी कई गारंटी दी, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा दी गई छह में से दो गारंटी राज्य सरकार द्वारा लागू की गई हैं और अन्य दो को ''जल्द'' लागू किया जाएगा, जबकि बाकी को दो से तीन महीने में लागू किया जाएगा।

भाजपा ने लालू की बेटी पर नीतीश कुमार के अपमान का आरोप लगाया, माफी की मांग की

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई ने बृहस्पतिवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद की सिंगापुर में रहने वाली पुत्री रोहिणी आचार्य पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उनसे सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने की मांग की।

बिहार प्रदेश भाजपा नेता निखिल आनंद ने दावा किया कि रोहिणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए कई पोस्ट में सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के खिलाफ 'अपमानजनक भाषा' का इस्तेमाल किया है। हालांकि रोहिणी ने बाद में ये पोस्ट हटा लिए। आनंद ने हटाए गए पोस्ट का 'स्क्रीनशॉट' साझा करते हुए कहा, ये धनुष से निकले तीर की तरह है। भाजपा नेता ने कहा कि अगर आचार्य को पोस्ट में मुख्यमंत्री के खिलाफ 'बदतमीज' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने का पछतावा है, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त करना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। मीडिया के एक वर्ग ने दावा किया कि रोहिणी ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर की जयंती के अवसर पर बुधवार को आयोजित जद(यू) की रैली में वंशवादी राजनीति के खिलाफ नीतीश के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पोस्ट किए थे।

बंगाल स्कूल नौकरी घोटाला: सीबीआई ने तृणमूल कांग्रेस के दो पार्षदों से पूछताछ की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के प्राथमिक स्कूलों में भर्ती में अनियमितताओं की जांच के संबंध में पूछताछ के लिए तृणमूल कांग्रेस के दो पार्षद बृहस्पतिवार को सीबीआई के अधिकारियों के सामने पेश हुए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने बुधवार को दो टीएमसी नेताओं – बप्पादित्य दासगुप्ता और देबराज चक्रवर्ती को समन जारी किया था और उन्हें पूछताछ के लिए अपने अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा था। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि स्कूल की नौकरियों में अनियमितताओं से उन दोनों को कैसे फायदा हुआ। जांच एजेंसी ने पिछले साल नवंबर में चक्रवर्ती के आवास और कार्यालयों पर तलाशी अभियान चलाया था।

कोहली ने चौथी बार जीता आईसीसी पुरुष 'वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को पिछले साल घरेलू सरजमीं पर विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए गुरुवार को आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष वनडे क्रिकेटर 2023 चुना गया। कोहली का यह चौथा पुरस्कार है। वह पिछले साल वनडे में हमवतन शुभमन गिल के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी रहे।

पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ने छह शतक और आठ अर्धशतकों से पिछले साल 1377 रन बनाए।

यह साल हमेशा इसलिए याद किया जाएगा कि कोहली ने महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के वनडे में शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। कोहली ने भारत को विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया और 11 मैच में रिकॉर्ड 765 रन बनाकर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' पुरस्कार भी हासिल किया। कोहली के चमचमाते करियर में यह उनका सातवां व्यक्तिगत आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) पुरस्कार है और वनडे में यह उनका चौथा पुरस्कार है।

उन्होंने इससे पहले वनडे में 2012, 2017 और 2018 में यह पुरस्कार जीता था। उन्होंने 2018 में टेस्ट पुरस्कार भी जीता था जबकि 2017 और 2018 में उन्होंने आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्राफी जीती थी।

कोहली के साथ इस पुरस्कार की दौड़ में हमवतन गिल और मोहम्मद शमी तथा न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल शामिल थे।

कोहली हालांकि साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर की दौड़ में आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से पिछड़ गए। कमिंस ने हमवतन ट्रेविस हेड तथा भारत के रविंद्र जडेजा और कोहली को पछाड़कर यह पुरस्कार हासिल किया।

मैने मुक्केबाजी से संन्यास नहीं लिया है : मैरी कॉम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टोक्यो ओलंपिक के बाद से रिंग पर नहीं उतरी एम सी मैरी कॉम के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी लेकिन छह बार की विश्व चैम्पियन इस मुक्केबाज ने बृहस्पतिवार को खेल से संन्यास की अटकलों को खारिज किया।

लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता 41 वर्ष की मैरी कॉम अमैच्योर सर्किट पर खेलने के लिए उम्र के मानदंडों पर वैसे भी खरी नहीं उतरती हैं। उन्होंने हालांकि कहा कि अभी तक उन्होंने खेल को अलविदा कहने की औपचारिक घोषणा नहीं की है। मैरी कॉम ने यहां जारी एक बयान में कहा, मैने अभी तक संन्यास की घोषणा नहीं की है और मेरे बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया। जब भी मुझे संन्यास का ऐलान करना होगा तो मैं खुद सभी को बताऊंगी। दरअसल डिब्रूगढ में बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान मणिपुर की फ्लायवेट (51 किलो) वर्ग की मुक्केबाज मैरी कॉम के हवाले से कहा गया था कि अमैच्योर मुक्केबाजों के लिए 40 वर्ष की सीमा के कारण उन्हें मजबूरन रिटायर होना पड़ रहा है। पूर्व राज्यसभा सांसद ने कहा, मैने कुछ मीडिया रिपोर्ट देखी हैं जिनमें कहा गया कि मैने खेल को अलविदा कह दिया जो सही नहीं है। उन्होंने कहा, मैं 24 जनवरी को डिब्रूगढ में एक स्कूल के कार्यक्रम में भाग ले रही थी जहां मैं बच्चों की हौसलाअफजाई कर रही थी। मैने कहा था कि मेरे भीतर अभी भी खेलों में नई ऊंचाइयां छूने की भूख है लेकिन ओलंपिक में उम्र की सीमा होने से मैं भाग नहीं ले सकती। मैं हालांकि अपना खेल जारी रख सकती हूं और मेरा फोकस फिटनेस पर है। मैरी कॉम ने आगे लिखा, मैं जब भी संन्यास का फैसला लूंगी, सभी को बताऊंगी। कृपया अपनी खबर दुरुस्त कर लें।

सुविचार

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का ध्यान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं। विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संस्कारों के साथ सुधार

गणतंत्र दिवस का सूर्योदय ... नई ऊर्जा ... नई उम्मीदों ... नए संकल्पों का दिन! समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह गणतंत्र दिवस कई मायनों में अनूठा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद देशवासियों में यह भावना बलवती होती जा रही है कि अब भारतीय संस्कारों के साथ सुधारों का सिलसिला आगे बढ़ना चाहिए। हाल के वर्षों में देश ने कई तरह के सुधार देखे हैं। तीन तलाक की प्रथा पर पाबंदी लगाई गई, जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 से मुक्ति मिली। अब सामाजिक समानता स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाना होगा। यह समान नागरिक संहिता लागू किए बिना संभव नहीं है। वहीं, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और अन्य देशों से अवैध ढंग से आकर बसे लोगों का हिसाब-किताब रखना जरूरी है। आखिर, हमें पता तो चले कि हमारे देश में कौन व्यक्ति, कब, कहां से और किस उद्देश्य से आया और कहां रह रहा है! उनमें से जो उत्पीड़ित व शोषित हैं, उनकी समस्याओं को समझना होगा, उन्हें राहत देनी होगी। जबकि, यहां घुसपैठ कर संसाधनों पर कब्जे की नीयत से आने वालों के प्रति सख्ती दिखानी होगी। अतीत में हमसे कुछ ग़लतियां हुईं, जिनके कारण हमें विदेशी आक्रांताओं की अधीनता में रहना पड़ा था। उस कालखंड में हमारी संस्कृति और समाज पर आघात से जो घाव हुए, उन पर 'भारतीयता' की औषधि लगानी होगी। भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक परंपराओं के उत्थान को गति देनी होगी। भारत को विदेशी चश्मे से नहीं, दिव्य दृष्टि से देखना होगा। इसके लिए ज़रूरी है कि हम अपनी शक्ति व सामर्थ्य को पहचानें। शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, कृषि, प्रशासन, सुरक्षा, तकनीक ... हर क्षेत्र का 'भारतीयकरण' करना होगा। इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं का प्रसार होना चाहिए। आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, वैदिक गणित आदि के प्रचार-प्रसार के लिए और बड़े स्तर पर प्रयास करने होंगे।

हमें याद रखना है कि विदेशी आक्रमणों के कारण हम पिछले एक हज़ार वर्षों में कितने मंदिरों, कितने शिक्षा केंद्रों और कितनी धरोहरों से वंचित हुए! हमें हिंगलाज की घंटियां पुकार रही हैं। तक्षशिला के कक्ष व पुस्तकालय और खैबर पख्तूनख्वा के ध्यान केंद्र हमारी प्रतीक्षा कर रहे हैं। नीलम घाटी स्थित शारदा पीठ में दिव्य ज्योति जलानी है। ननकाना साहिब के दर्शन में आने वाली बाधाओं को दूर करना है। निस्संदेह यह काम आसान नहीं है। इसमें समय भी लगेगा, लेकिन हमें अपनी नीति और नीयत से नहीं डिगना है। प्रभु श्रीराम को उनकी जन्मभूमि पर पुनः मंदिर बनाकर विधिपूर्वक विराजमान कराने में लगभग पांच सौ साल लग गए, जबकि यह स्थान तो हमारी अपनी भौगोलिक सीमाओं में है! संकीर्णता विचारों में हो या देश की 'सीमाओं' में, उसका परिणाम शुभ नहीं होता। आज विश्व में जिस तरह की (प्रशासनिक, तकनीकी, आर्थिक) व्यवस्था है, उसमें भारत के लिए अपार अवसर हैं। हमें अध्यात्म, शिक्षा, व्यवसाय, तकनीक आदि से विश्व में भारत की पताका फहरानी है, संकीर्णताओं को दूर करना है। हां, इसका उद्देश्य सबका कल्याण होना चाहिए। आज पूरा विश्व हमारे देश को अत्यंत आशा के साथ देख रहा है। कोरोना काल में विकट परिस्थितियों से जूझते हुए हमारे वैज्ञानिकों ने वैक्सीन बनाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया था। जिस ब्रिटेन ने कभी भारतवासियों को गुलामी की जंजीरों में जकड़ा था, हमने उसे अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में पछाड़ दिया। हमें शक्ति व संसाधनों से समृद्ध होते हुए विनम्र रहना है। न किसी से प्रतिशोध लेना है और न ही किसी को लज्जित करना है। हमें अपने ज्ञान, विवेक, बुद्धि, शक्ति व सामर्थ्य से उन समस्याओं का समाधान करना है, जो विश्व के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, असमानता, असहिष्णुता, भ्रष्टाचार ... जैसी समस्याओं से निपटने के लिए भारत बड़ी मिसाल बन सकता है। पिछली सदी में जो भारत से हटकर अलग पहचान बनाना चाहते थे, वे समझ चुके हैं कि उनका प्रयोग पूरी तरह विफल हो चुका है। आज सोशल मीडिया के ज़माने में नई पीढ़ी सब देख रही है। जब वह देखेगी, जानेगी कि भारत हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है और उसकी सभी समस्याओं का समाधान भारतीय सभ्यता व संस्कृति में है तो कृत्रिमता के बंधन हटेंगे। उस दिन हमारे लिए वह सबकुछ पाने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, जो हमने कभी खोया था। इसके लिए प्रत्येक भारतीय को अपने स्तर पर देश को सशक्त, समृद्ध और विकसित बनाने के प्रयास करने होंगे। कितना समय लगेगा, यह सोचकर निराश नहीं होना है। जितनी लंबी तपस्या होगी, सिद्धि भी उतनी बड़ी होगी।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा के इटावा में मूलभूत विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। शिक्षा, खेल सुविधाएं सहित विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप हो रहे यह विकास कार्य बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए उनके जीवन को बेहतर बनाएंगे।

-ओम बिरला

स्थिर सरकार होती है तो देश बड़े फैसले लेता है, दशकों से लटकी हुई समस्याओं को सुलझाकर आगे बढ़ता है। हमारी पूर्ण बहुमत की सरकार ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाकर दशकों का इंतजार खत्म किया।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

आत्मनिर्भरता का स्वाद

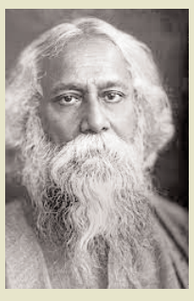

एक बार गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर से मिलने कुछ विदेशी मित्र अचानक आ गये। टैगोर ने दो दिन पहले ही अपने लिए नया रसोई सहायक नियुक्त किया था। अचानक आ गये इतने मेहमान देखकर वह घबरा गया। टैगोर उसकी मनोदशा भांप गये और उसे एक बड़ा झोला दिया और पास ही गांव की हाट से सामान लाने भेज दिया। उसके लौटने तक टैगोर ने अपने विदेशी मित्रों से बात करते-करते हरी मिर्च, प्याज का खट्टा-मीठा ताजा सलाद उसके साथ माछ भात और चटपटा रसीला लाल चटनी का झोल भी खुद ही तैयार कर दिया। सहायक को भी पका पकाया भोजन परोसा गया इस तरह टैगोर ने उसे महसूस करा भी दिया कि वह सहायक तो है मगर रसोई के कामों के लिए टैगोर केवल उस पर ही निर्भर नहीं हैं।

सामयिक

जब जयहिंद संदेश तिरंगी बर्फी ने अंग्रेजी सत्ता की नींद उड़ा दी थी

प्रमोद दीक्षित मलय

मोबाइल : 8299447274

मिठाई मन मोहती हैं, मुंह में स्वाद घोलती हैं। चाहे बच्चे-बूढ़े हों या तरुण किशोर, प्रौढ़ स्त्री-पुरुष हों या नवजवान। नौकरीपेशा अधिकारी-कर्मचारी हों या कामगार मजदूर किसान। शहरी नागरिक हों या वनवासी एवं गिरिवासी। मिठाई सभी को पसंद है और मिठाई देखते ही मुंह में पानी आने लगता है और जीभ पर विशेष स्वाद उतर आता है। मिठाई के सभी दीवाने हैं। मिठाई के बिना कोई तीज-त्योहार, धार्मिक अनुष्ठान, यज्ञ-कर्मकाण्ड, विवाह-निकाह सम्पन्न नहीं होता। जन्मदिन की पार्टी में केक के अलावा कोई और मिठाई न हो तो पार्टी फीकी हो जाती है। कार्यालयों में स्थानांतरण या सेवानिवृत्ति का विदाई समारोह हो तो मिठाई की प्लेटों की शोभा देखते ही बनती है। भगवान के भोगराग में भी मिठाई की थाली आवश्यक है। और तो और, श्मशान में मृतक की अंत्येष्टि में भी सात प्रकार की मिठाई का डिब्बा रखने की परम्परा विद्यमान है। कुल मिलाकर मिठाई समाज जीवन के दैनंदिन और विशेष आयोजनों का विशेष एवं अनिवार्य हिस्सा है जिसकी रिक्तता की पूर्ति असंभव है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध स्वतंत्रता की लड़ाई में मिठाईयों ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बनारस की तिरंगी बर्फी और कलकत्ता की जय हिंद संदेश बर्फी ने अंग्रेजी सत्ता की नींद उड़ा दी थी, तब उनके निर्माण एवं विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

लेख का शीर्षक देखकर पाठक चौंके होंगे कि क्या ऐसा सम्भव हुआ होगा, किंतु यह बात सोलह आने सच और खरी है कि अंग्रेजों से भारत वर्ष की आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों एवं राजनीतिक नेताओ-सेनानियों की भांति हलवाइयों ने भी अपने अलग तरीके से अप्रत्यक्ष ढंग से महत्वपूर्ण योगदान दिया था। भले ही वह प्रत्यक्ष रूप से अंग्रेजों से लोहा नहीं ले सके किंतु अपनी मिठाइयों के माध्यम से गुप्त संदेशों को न केवल क्रांतिकारियों तक पहुंचाया बल्कि क्रांतिकारियों को अपनी दुकानों में आश्रय भी दिया। किंतु दुर्भाग्यवश देश की आजादी की लड़ाई में मिठाई की दुकानों का योगदान अचर्चित एवं अलिखित रह अवश्य गया है पर बनारस, दिल्ली और कोलकाता की गलियों में उनके योगदान के मीठे किस्से आज भी हवा में तैर रहे हैं।

अगस्त 1942, महात्मा गांधी जी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ किया। बड़े नेता गिरफ्तार कर लिए गये। अंग्रेजी हुकूमत ने देशभर में तिरंगा फहराने-लहराने तथा तिरंगा ध्वज साथ लेकर चलने-फिरने पर प्रतिबंध लगा दिया। साथ ही सार्वजनिक समारोहों के आयोजन करने पर भी रोक लगा दी गई। ऐसे अवसर पर आमजन में देशप्रेम की भावना उत्पन्न करने और अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की धार को तीव्रतर बनाये रखने के लिए बनारस के देशभक्त हलवाई रघुनाथ प्रसाद ने एक तीन परतों की बर्फी बनाई, जिसे नाम दिया गया तिरंगी बर्फी। यह विशेष प्रकार की बर्फी काजू , बादाम और पिस्ता से तैयार की जाती थी तथा स्वतंत्रता सेनानियों एवं आमजन को भी मुफ्त भी खिलाई जाती थी ताकि उनके मन-मस्तिष्क में देशभक्ति का रंग और जिह्वा पर स्वाद चढ़ा रहे। इसके साथ ही जवाहर लड्डू, गांधी गौरव, सुभाष भोग, मोती पाक और वल्लभ संदेश नाम से विविध मिठाइयां बनाई जाती थीं।आज भी यह तिरंगी बर्फी बनारस के ठठेरी बाजार की उस दुकान में बनाई जा रही है हालांकि अब काजू ,बादाम एवं पिस्ता की जगह यह दूध और खोया से तैयार की जा रही है, लेकिन अपनी परंपरा का निर्वाह करते हुए यह तिरंगि बर्फी आज भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है, आमतौर से स्वाधीनता दिवस तथा गणतंत्र दिवस में बहुत मांग रहती है। इसी प्रकार कोलकाता में मन्मथ दास नाम के हलवाई ने जयहिंद संदेश नाम की तीन रंगों की बर्फी तैयार की। ऊपर नारंगी रंग, बीच में मलाईदार खोवा की परत और नीचे पिस्ता से बनी हरी परत रहती थी। आपको जानकर यह आश्चर्य होगा कि तिरंगी बर्फी और जयहिंद संदेश की अत्यंत लोकप्रियता और इनसे आमजन में देशभक्ति की भावना का ज्वार उठ जाने से अंग्रेजी हुकूमत की नींद उड़ गई और अंग्रेजों ने जयहिंद संदेश तथा तिरंगी बर्फी निर्मित करने और विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया। बावजूद इसके यह बर्फी चोरी-छिपे बनाकर आम जनता तक पहुंचाई जाती रही। अब मैं आपको दिल्ली की उन मिठाई की दुकानों की ओर लिए चलता हूं जहां भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद प्रभृति क्रांतिकारी न केवल गुप्त वार्ताएं करते थे बल्कि मिठाई के डिब्बों के आदान-प्रदान से एक-दूसरे तक गुप्त सूचनाएं भी पहुंचाते थे। जब अंग्रेजी सत्ता के गुप्तचर क्रांतिकारियों की टोह लेने के लिए चतुर्दिक सक्रिय रहते थे और क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम तक पहुंचने से पहले रोकने के लिए अंग्रेजी सत्ता कटिबद्ध थी तब क्रांतिकारियों ने मिठाईयां को कोड देकर महत्वपूर्ण संदेश गोपनीय ढंग से गुप्तचरों की आंखों में की धूल झोंकते हुए संबंधित क्रांतिकारी तक न केवल पहुंचाते थे बल्कि क्रांतिकारी गतिविधियां भी संपन्न करते थे।

जैसे यदि मिठाई के डिब्बे में लड्डू है तो इसका आशय था कि अड्डे पर बम उतर रहे हैं, बंगाली छेना रसगुल्ला का अर्थ होता था कि विस्फोटकों की एक बड़ी खेप रास्ते पर है। इसी तरह यदि डिब्बे में बर्फी है तो पाने वाला क्रांतिकारी समझ जाता था कि कारतूस, गोला और बारूद उपलब्ध हो गया है। इन मिठाई की दुकानों की ओर अंग्रेजों का कभी ध्यान नहीं गया और न कभी छापा डाला गया। इसलिए क्रांतिकारी अंग्रेजों की नजरें बचा कर यहां बैठकर न केवल अपनी गुप्त वार्ताएं संपन्न करते थे बल्कि संकट और धरपकड़ के समय कुछ दिनों का आश्रय भी पाते थे। भारत की आजादी के संघर्ष इतिहास का यह एक ऐसा अध्याय है जिसके पृष्ठ कोरे हैं। आवश्यकता है कि इस पर सरकार द्वारा शोध करवाकर स्वातंत्र्य समर में मिठाई की दुकानों के योगदान को अंकित किया जाये ताकि आगामी पीढ़ी परिचित हो प्रेरणा ग्रहण कर सके।

मुद्दा

राममय भारत को आकार देने के संकल्पों का गणतंत्र

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत ने खुद को संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया। भारतीय संविधान के अग्रिम पृष्ठ पर प्रभु श्रीराम विराजित है, लेकिन पूर्व सरकारों ने श्रीराम के गणतांत्रिक गौरव को न अपनाने के कारण चौहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन इस वर्ष प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा हो जाने से इस राष्ट्रीय पर्व का महत्व बहुगुणित हो गया है और हमें अब वास्तविक रूप में संप्रभुता का अहसास होने लगा है। भारतीय इतिहास का यह नया प्रस्थान बिंदु है जहां से भारत राममय होने की ओर अग्रसर हो रहा है।

भारतीय मानस, मनीषा और जनजीवन के पांच सौ वर्ष पुराने संघर्ष-गाथा का अन्तिम अध्याय लिखते हुए अब भारत रामराज्य के वास्तविक स्वरूप में प्रवेश कर रहा है, जहां सुख सम्पदा बड़ी मात्रा में होगी, प्रेम और खुशी का वातावरण होगा, आदर्श राज्य की कल्पना आकार लेगी। अयोध्या में लिखा गया नया इतिहास एवं अमिट आलेख आने वाले हजारों वर्षों के लिये एक सन्देश है, एक उर्वर धरातल है, स्वयं के द्वारा दुनिया को प्रेरणा देने का अवसर है। दुनिया में आदर्श शासन प्रणाली में राम राज्य ही शांति, सह-जीवन, सह-अस्तित्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र को आकार देने का मार्ग है। वर्तमान दुनिया को इसी राम राज्य की आवश्यकता है। श्रीराम मंदिर का निर्माण इस लिहाज से भारत ही नहीं सम्पूर्ण दुनिया में नवीन आदर्श जीवन मूल्यों एवं लोकतांत्रिक आदर्शों की स्थापना का शुभ अवसर है।

गणतंत्र कोरा राष्ट्रीयता का ही नहीं, आस्था एवं संकल्पों का पर्व है, इस पर्व का जश्न सामने हैं, राजपथ पर निकलने वाली झांकियों में श्रीराम की प्रभावी एवं प्रेरक प्रस्तुति होगी। जिसमें प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपनाते हुए कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी झलकेगी तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखाई देगी। जहां हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी है। अब हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास होने लगा है। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं। अब बहुत कुछ बदलने जा रहा है। पांच सौ साल पहले जब बाबर की बर्बर सेनाओं ने रामलला के मन्दिर को ध्वस्त करने का अभियान छेड़ा था, वो एवं उसके बाद की शासन-व्यवस्थाओं ने श्रीराम को धुंधलाने के षडयंत्र किये, जब उनके आकाओं ने क्या सोचा होगा? वे इस राष्ट्र की आस्थाओं को नष्ट कर देना चाहते थे, भारत की समृद्ध विरासत एवं संस्कृति को जमींदोज कर देना चाहते थे, बहुत नकारात्मक एवं कुटिल सोच थी उनकी कि आस्था-विहीन मनुष्य आसानी से गुलाम बन जाते हैं। यह बड़ा सच है कि हमारा राष्ट्र पराधीन हुआ, लेकिन हमारी आस्थाएं मरी नहीं थी, हमारा विश्वास काल-कवलित नहीं हुआ। आज के परिदृश्यों को देखते हुए कहा जा सकता है कि एक मायने में आक्रांता गलत साबित हुए, राष्ट्र-विरोधी एवं हिन्दू-विरोधी ताकते परस्त हुई। अयोध्या में लिखे गये स्वर्णिम इतिहास से यह साबित किया गया है कि भारतीयों की आस्था, संघर्ष और विश्वास परम्परा को एक नया मुकाम दे दिया गया है। एक नये गणतंत्र का अभ्युदय हुआ है।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिली है। यह पर्व इस वर्ष अधिक उमंग एवं उत्साह से इसलिये भरा है कि श्रीराम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा की अनूठी कहानी का यह साक्ष्यी बन रहा है, जहां आठ हजार लोगों की जो जनशक्ति उपस्थित थी, उसमें 140 करोड़ भारतीयों की मनीषा, जिजीविषा, धार्मिकता, रचनात्मकता, सृजनात्मकता, उद्यमशीलता की गवाह थी। हर क्षेत्र में नया इतिहास निर्मित करने वाली प्रतिभाएं एवं हस्तियां यहां मौजूद थी, जो प्रभु श्रीराम से शक्ति लेकर नया भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर हुई है। यह मन्दिर सिर्फ एक धार्मिक स्थल को ध्वस्त करने को लेकर शुरु हुए संघर्ष का अंत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिये कुछ नया करने, अद्भुत रचने, राष्ट्र-गौरव को निर्मित करने एवं अपनी आस्थाओं को बलशाली बनाने का पैगाम है।

श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन जहां त्याग की मूर्ति है, वहीं ऋषि मुनियों और जनसाधारण की रक्षा का संकल्प भी है। श्रीराम ने कष्टों और बाधाओं में भी उच्च जीवन मूल्यों को प्रतिस्थापित किया। उन्होंने जहां आदर्श-शासन व्यवस्था का सूत्रपात किया, वहीं आदर्श मानव चरित्र एवं जीवन को आकार दिया, यहीं जीवन मूल्य भारतीय जीवन शैली में आज भी व्याप्त है। तुलसीदासजी ने श्रीराम को एक आदर्श शासक पुरुष के रूप में चित्रित किया है, जिनमें करुणा, दया, क्षमा, सत्य, न्याय, साहस, सदाचार, धैर्य और नेतृत्व जैसे गुण समाहित है। वे एक आदर्श पुत्र, भाई, पति, राजा और मित्र हैं। 26 जनवरी भारतीय संविधान के लागू होने का दिवस है, तो 22 जनवरी महामानव, त्यागमूर्ति, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा का अवसर। भारतीय संविधान के भाग तीन पर जहां हमारे मौलिक अधिकारों का उल्लेख है, भगवान श्रीराम, सीता एवं लक्ष्मणजी का चित्र हैं, जो भारतीय जनमानस को इन आदर्श धर्म-राष्ट्रनायक के अनुरूप स्वयं को निर्मित करने की प्रेरणा देता है। हमने जिस संपूर्ण संविधान को स्वीकार किया है, उसमें कहा है कि हम एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, आस्थावादी लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके दूसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, उसकी सार्थक ध्वनि है श्रीराम मन्दिर। जो भारत के लिये एक शुभ एवं श्रेयस्कर घटना है। राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर भारत अब विश्व-गुरु भी बनने की ओर गतिशील है। गत वर्ष 9 एवं 10 सितम्बर को जी-20 देशों महासम्मेलन भारत में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ था भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता धीरे-धीरे सामने आने लगी है एवं उसके उद्देश्यों की परते खुलने लगी है।

अयोध्या से पहले काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे हमने देखा। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। अयोध्या से नरेन्द्र मोदी ने जो संदेश दिया है, उसे केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। उनका यह कहना खास मायने रखता है कि सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी।

भारत के संवैधानिक एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र बनने की 74वीं वर्षगांठ मनाते हुए हम अब वास्तविक भारतीयता का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम प्रधानमंत्री के मुख से नये भारत-सशक्त भारत को आकार लेने के संकल्पों की बात सुनते हैं। गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाग्य बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाये। एक के लिए सब, सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवहमान हो।

नजरिया

इंडि गठबंधन : अपनी अपनी डफली अपना अपना राग

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

अपनी अपनी डफली अपना अपना राग एक चर्चित मुहावरा है जिसका अर्थ है-भिन्न-भिन्न मत होना यानि जब एक समूह विशेष में शामिल लोग किसी एक बात पर सहमत न होकर अपने-अपने तरीके से कार्य करते हैं। यह मुहावरा भाजपा को सत्ताच्युत करने के लिए बने सियासी गठबंधन इंडि पर सटीक बैठता है। तृणमूल कांग्रेस ने इसी बीच बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर इंडिया गठबंधन में बिखराव की शुरुआत कर दी। पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कह दिया है बंगाल में किसी से समझौता नहीं होगा। बंगाल के वामपंथी दल पहले से ही ममता से खार खाये बैठे है और रही सही कसर कांग्रेस ने पूरी कर दी। ममता और बंगाल कांग्रेस के नेताओं के एक दूसरे पर आरोपों प्रत्यारोपों के बीच ममता के अकेले चलो के बयान ने इंडि गठबंधन को बनने से पहले ही तोड़ दिया है। बताया जाता है ममता कांग्रेस को दो सीटों से ज्यादा देना नहीं चाहती थी जिसे बंगाल कांग्रेस नेता स्वीकार करने को तैयार नहीं थे। वहीं आम आदमी पार्टी ने भी पंजाब की सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले से ही कांग्रेस से नाराज चल रहे है। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट के रिश्ते भी कांग्रेस से सहीं नहीं चल रहे है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इंडिया गठबंधन की पार्टियों में अब तक सीटों का बंटवारा नहीं होने से आपसी मनमुटाव बढ़ने लगा है। राहुल गाँधी के न्याय यात्रा पर होने से घटक दलों की नाराजगी सामने आ रही है।

देश में आगामी लोकसभा चुनाव की घोषणा शीघ्र होने जा रही है। चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी अपनी रणनीति बनाकर तैयारियां शुरू करदी है। एक मोर्चा या गठबंधन सत्तारूढ़ भाजपा नीत एनडीए का है तो दूसरा कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया गठबंधन का है। देश के अधिकांश राज्यों में एनडीए और इंडि गठबंधनों के बीच सीधे मुकाबले के आसार है। इनमें 26 पार्टियां इंडि और 38 पार्टियों ने एनडीए के झड़े के नीचे आने का फैसला किया है। एक दर्ज़न से अधिक ऐसी पार्टिया भी है जो दोनों के साथ नहीं है। इसी के साथ चुनावी बिसात बिछने लगी है और सियासी दलों में एक दूसरे के खिलाफ तीखे आरोप प्रत्यारोप शुरू हो गए है। इसी दौरान भाजपा ने पहले अयोध्या में राम मंदिर और फिर बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारतं रत्न का एलान कर विपक्षी पार्टियों से जातीय मुद्दा छीन लिया। इसे मोदी सरकार का मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री ने इसका स्वागत करते हुए इसारे इसारे में परिवारवाद पर हमला बोला। नीतीश को लेकर मीडिया में कई प्रकार की अफवाहें फैल रही है। कुछ लोगों का कहना है नीतीश कभी भी पाला बदल कर एक बार फिर एनडीए में शामिल हो सकते है।

बंगाल में स्थिति यूपी से भी ज्यादा ख़राब है। बंगाल में लोकसभा की 42 सीटें है। इनमें 2019 के चुनाव में टीएमसी को 22, भाजपा को 18 और कांग्रेस को मात्र दो सीटें मिली थी। कभी बंगाल पर लम्बे समय से राज करने वाली वामपंथी पार्टियों को एक भी सीट नहीं मिली। इंडि गठबंधन में टीएमसी, कांग्रेस और वामपंथी शामिल है। मगर राज्य में तीनों घटकों में एक दूसरे के प्रति भारी कटुता का वातावरण है। कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी गाहे बगाहे ममता बनर्जी पर आरोप लगाते रहते है। मार्क्सवादी पार्टी इस राज्य में कांग्रेस से गठबंधन को तैयार है मगर ममता की पार्टी से हाथ मिलाने को राजी नहीं है।

केरल में 2019 में कांग्रेस नीत यूनाइटेड फ्रंट को 20 सीटों में से 19 में सफलता मिली जबकि वामपंथी मोर्चे को सिर्फ एक सीट मिली। राहुल गाँधी यूपी में हार गए मगर केरल में एक सीट पर जीतने में सफल हुए थे। यहाँ वर्तमान में वामपंथी सत्तारूढ़ है। भाजपा के पास कोई सीट नहीं है। मुख्य संघर्ष कांग्रेस नीत मोर्चे और वामपंथी मोर्चे के मध्य है। यहाँ सीटों का बंटवारा मुश्किल में फंसा है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

'मतदाता भारत की नियति हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने मतदाताओं से अपील की है कि वे आगामी चुनावों में अधिक से अधिक मतदान कर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में अपना अहम योगदान दें। वह शहर के टाउन हॉल में 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। आज भारतीय लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण दिन है। क्योंकि गणतंत्र से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और मजबूत चुनाव आयोग की स्थापना की गई थी। वर्ष 2011 से हर साल राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा, यह मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने और पहली बार मतदान करने वालों को सक्रिय रूप से मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के लिए समर्पित दिन है।

बिटकॉइन केस में एक इंस्पेक्टर सहित दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आलोक मोहन

बेंगलूरु। सीआईडी पुलिस ने बिटकॉइन केस में एक इंस्पेक्टर सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बारे में जानकारी देते हुए कर्नाटक पुलिस महानिदेशक एवं महानिरीक्षक (डीजी एण्ड आईजीपी) आलोक कुमार मोहन ने बताया कि भाजपा सरकार में यह प्रकरण हुआ था। जिसके सिलसिले में श्रीकृष्णा नामक एक हैकर को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। कांग्रेस सरकार का शासन आने पर यह केस दुबारा खोला गया और इसकी जांच सीआईडी पुलिस को सौंपी गई।

पुलिस ने मामले की जांच करते हुए एक सब इंस्पेक्टर और एक साइबर एक्सपर्ट को इस सिलसिले में गिरफ्तार किया है। साढे तीन लाख बिट्क्राइन का लेनदेन हुआ है। इस संबंध में पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। इस मौके पर पुलिस आयुक्त बी दयानंद भी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्नाटक की पुलिस के 21 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। जिसमें एडीजीपी प्रशासन सोमेन्द्र मुखर्जी को विशिष्ट सेवा पदक और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त बेंगलूरु सिटी रमन गुप्ता को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं में 66 प्रतिशत की कमी आई : शाह

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में शांति के एक नए युग की शुरुआत होने का उल्लेख करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में आतंकी घटनाएं 66 फीसदी और नागरिकों की हत्याओं में 81 प्रतिशत की कमी आई है।

शाह ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, जम्मू कश्मीर को पर्यटन केंद्र के रूप में तब्दील करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया।

शाह ने जम्मू में 100 ई-बसों को हरी झंडी दिखाई और जम्मू कश्मीर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों तथा अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पाने वालों को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि अनुच्छेद 370 को रद्द करने के बाद आतंकवाद से जुड़े मामलों में 66 प्रतिशत की कमी आई है। नागरिकों की हत्याओं में 81 प्रतिशत और सुरक्षा बलों की हत्याओं में 48 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि इससे यह प्रदर्शित होता है कि जम्मू कश्मीर में खुशहाली, शांति और सामान्य स्थिति का एक नया युग शुरू हुआ है।

केंद्र ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को पांच अगस्त 2019 को रद्द कर दिया था। साथ ही, सरकार ने इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों--जम्मू कश्मीर और लद्दाख-- में विभाजित कर दिया।

शाह ने कहा कि 2000 में जम्मू कश्मीर में पथराव की 2,654 घटनाएं हुई थीं लेकिन 2023 में ऐसी एक भी घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा, 2010 में करीब 132 बंद के आयोजन किए गए लेकिन 2023 में एक भी नहीं किया गया। 2010 में करीब 112 नागरिकों की पथराव की घटनाओं में मौत हुई लेकिन 2023 में पथराव में एक भी नागरिक ने जान नहीं गंवाई। करीब 6,235 नागरिक 2010 की अवधि के दौरान घायल हुए।

मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के वित्तपोषण पर भी नकेल कसी गई है। उन्होंने कहा, संपत्ति सील और कुर्क की जा रही। उनकी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कई आतंकी संगठनों को प्रतिबंधित किया गया है।

मोदी की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर को एक पर्यटन केंद्र में बदल दिया है जो कभी आतंकवाद के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा, बम विस्फोट, गोलीबारी, पथराव और बंद के युग की जगह शिक्षा, स्कूल, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, प्रबंधन संस्थान, उद्योग और बुनियादी ढांचे ने ले ली है। यह एक बड़ा बदलाव है जो जम्मू कश्मीर में हो रहा है।

शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में 2019-20 में 297 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था और यह 2022-23 में बढ़ कर 2,153 करोड़ रुपए हो गया।

कैडेटों के कौशल विकास और व्यक्तित्व को आकार देने में एनसीसी शिविर की महत्त्वपूर्ण भूमिका : ले. कर्नल दामोदरन

बेंगलूरु। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की तीसरी कर्नाटक बटालियन ने 16 जनवरी से 25 जनवरी तक विद्याशिल्प अकादमी, जक्कुर में वर्ष 2023-24 के लिए संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी) का आयोजन किया।

शिविर में 500 कैडेटों ने भाग लिया। वहीं, 2 अधिकारियों, 10 एएनओ, 30 पीआई और 9 सहायक कर्मचारियों की प्रशिक्षण टीम थी। कैडेटों के लिए ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया में शिविर गतिविधियों की सुचारु शुरुआत सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक दस्तावेज़ सत्यापन और बायोमेट्रिक प्रक्रिया शामिल थी। उद्घाटन भाषण कैंप कमांडेंट और 3 कर्नाटक बटालियन एनसी के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल दामोदरन पीपी ने दिया। उन्होंने युवाओं में आत्मनिर्भरता पैदा करने के महत्त्व पर जोर दिया। साथ ही, अभ्यास और अनुशासन की पारंपरिक सीमाओं को पार करने में एनसीसी शिविरों के गहरे प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एनसीसी शिविर नए कौशल प्राप्त करने और कैडेटों के पूर्ण व्यक्तित्व को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, कैंप कमांडेंट ने चयनित कैडेटों को रैंक प्रदान की। एनसीसी प्रशिक्षण के अलावा ईएक्सपीए की एक टीम ने विभिन्न जीवन कौशल पर सीनियर डिवीजन और सीनियर विंग कैडेटों के लिए 2 दिनों की कार्यशाला भी आयोजित की। ईएक्सपीए प्रशिक्षण से 250 कैडेट लाभान्वित हुए। रक्षा को करियर विकल्प के रूप में चुनने के लिए कैडेटों को जानकारी देने के वास्ते जेडआरओ बेंगलूरु के निदेशक कर्नल गौरव थापा ने 'आर्मी - ए वे ऑफ लाइफ' पर प्रजेंटेशन लिया। बुधवार को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

तटीय जिलों में पुराना गौरव हासिल करने के लिए कांग्रेस को मजबूत करें : डीके शिवकुमार

मंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं से तटीय जिलों में कांग्रेस को मजबूत करने का आग्रह किया है ताकि पार्टी अपना पुराना गौरव पुन:हासिल कर सके। बुधवार की शाम को जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक में उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जमीन तैयार करने के उद्देश्य से पार्टी का राज्य स्तरीय सम्मेलन अगले महीने मंगलूरु में होगा। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी की जिला इकाइयों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए जाने वाले इस सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य राष्ट्रीय नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

शिवकुमार ने कहा कि अधिक संख्या में युवाओं को शामिल कर पार्टी को बूथ स्तर पर सक्रिय किया जाना चाहिए और लोगों को राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई गारंटी के लाभों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर पर नेताओं से ज्यादा कार्यकर्ताओं की जरूरत है। उन्होंने कहा कि डीके जिले के सुलिया ब्लॉक में पार्टी में व्याप्त मतभेदों को नेताओं के बीच सुलझाया जाना चाहिए। बाद में कर्नाटक राज्य सुन्नी युवजन संघ (एसवाईएस) के वार्षिक सम्मेलन में शिवकुमार ने कहा कि सिद्धरमैया के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सम्मेलन में उठाए गए हिजाब सहित विवादास्पद मुद्दों पर टिप्पणी किए बिना उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है।

इससे पहले, पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि हिजाब मुद्दा और संबंधित धार्मिक मामले अदालत के समक्ष विचाराधीन हैं और सभी धर्मों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करते हुए इसे कानून और संविधान के ढांचे के भीतर सुलझाना चाहिए।

'सपने नहीं हकीकत बुनते, तभी तो सब मोदी को चुनते'

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रचार अभियान का गीत जारी किया।

पार्टी की ओर से जारी इस गीत के वीडियो में इस बात को रेखांकित किया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वादों को और कैसे लोगों के सपनों को पूरा किया। इसमें दर्शाया गया है कि जब 2014 में लोगों ने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में चुना तब देश की क्या हालत थी और पिछले 10 सालों में वह समाज के हर वर्ग के लिए क्या बदलाव लाए।

इस गीत का मुख्य वाक्य है 'सपने नहीं हकीकत बुनते हैं, तभी तो सब मोदी को चुनते हैं'।

पार्टी ने कहा कि यह गीत 'मोदी की गारंटी' पर आधारित लोकप्रिय भावना को दर्शाता है।

नड्डा ने भाजपा की युवा इकाई भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की ओर से आयोजित 'नमो नवमतदाता सम्मेलन' के दौरान यह गीत जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी भी इस कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने युवा मतदाताओं को संबोधित भी किया।

इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मोदी सपनों को हकीकत में बदलते हैं और कई पीढ़ियों से वादों और सपनों को पूरा करने की गारंटी देते हैं। दशकों या यहां तक कि 500 साल तक के सपने भी उनके द्वारा पूरे किए गए हैं।

पार्टी नेताओं ने कहा कि इसी विषय का उपयोग करते हुए कई अन्य संबंधित अभियानों की भी योजना बनाई गई है।

भाजपा के एक नेता ने कहा कि कुछ दिनों में अलग-अलग शैलियों में गीत जारी किए जाएंगे। इसके अलावा डिजिटल होर्डिंग, बैनर, फिल्में और विज्ञापन सभी चरणबद्ध तरीके से लाए जाएंगे। उन्होंने कहा, इनमें यह बताया जाएगा कि मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों में क्या हासिल किया है और कैसे अपने वादों को पूरा किया है।

'लाहौर 1947' में एक बार फिर सनी देओल के साथ नजर आएगी प्रीति

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज एक्टर सनी देओल ने पिछले साल अपनी फिल्म 'गदर 2' से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया। फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सनी अब 'लाहौर 1947' फिल्म में नजर आएंगे। पिछले दिनों फिल्म की शूटिंग को लेकर अपडेट सामने आई थी और अब इसकी लीड एक्ट्रेस को लेकर खबर मिली है। जानकारी के मुताबिक 'लाहौर 1947' में सनी के साथ बॉलीवुड की 'डिंपल गर्ल' प्रीति जिंटा नजर आएंगी। प्रीति को बुधवार (24 जनवरी) को मुंबई के एक स्टूडियो से बाहर निकलते देखा गया, जहां वह लुक टेस्ट के लिए गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रीति ने सनी की फिल्म के लिए लुक टेस्ट दिया। माना जा रहा है कि वह इस फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में वापसी करेंगी। हालांकि अभी तक प्रीति को लेकर कोई ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है। बता दें कि पूर्व में प्रीति और सनी 'हीरो : लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई' और 'फर्ज' जैसी फिल्में साथ कर चुके हैं। 48 वर्षीय प्रीति की पिछली फिल्म साल 2018 में आई 'भैयाजी सुपरहिट' सनी के साथ ही थी। उल्लेखनीय है कि 'लाहौर 1947' आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के तहत बनाई जाएगी। इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी करेंगे। इसके अलावा संतोषी और सनी इससे पहले साथ में 'घायल', 'दामिनी' और 'घातक' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में साथ में दे चुके हैं।

बॉलीवुड को पसंद आया 'बड़े मियां छोटे मियां' का टीजर

मुंबई/एजेन्सी। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की मुख्य भूमिका वाली आगामी एक्शन फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' के टीजर ने सभी का दिल जीत लिया है। इसे बॉलीवुड से बेहतर प्रतिक्रिया मिल रही है। टीजर में बेहतरीन लार्जर दैन लाइफ सिनेमाई पंच है। हाल ही में अपने स्ट्रीमिंग चैट शो 'कॉफी विद करण' का सफल सीजन पूरा करने वाले निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर किया। उन्होंने लिखा: ब्लॉकबस्टर लोडिंग'' अपनी फिल्म 'मेरी क्रिसमस' के लिए बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया पाने वाली अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने लिखा, बहुत अच्छे लग रहे हो दोस्त, अली अब्बास जफर, अक्षय कुमार बहुत अच्छे लग रहे हैं। टाइगर जैकी श्रॉफ के साथ उनकी केमिस्ट्री बहुत पसंद आ रही है।'

अभिनेता सनी सिंह ने लिखा, बूम। बच के रहना, हिंदुस्तान हैं हम। हमेशा के लिए पसंदीदा अक्षय कुमार सर्। रकुल प्रीत सिंह ने कहा, वाह वाह वाह। हिंदुस्तान हैं हम, क्या जबरदस्त टीजर है। पूरी टीम को शुभकामनाएं। अभिनेत्री जेनेलिया ने लिखा, ब्लॉकबस्टर 'बड़े मियां छोटे मियां' का टीजर बहुत बढ़िया लग रहा है, बधाई हो। 'बड़े मियां छोटे मियां' का टीजर मनोरंजन, रोमांच और जबरदस्त एक्शन से भरपूर है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन एक दिलचस्प खलनायक की भूमिका में हैं, उनके अलावा सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। जैसे-जैसे दिन बढ़ते जा रहे हैं, ईद 2024 पर फिल्म की नाटकीय रिलीज के लिए उत्साह बढ़ता जा रहा है।

दुर्घटना में एक ही परिवार के चार की मौत

चित्रदुर्गा। चित्रदुर्गा जिले के सानिकेरे गांव के पास गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। मृतकों की पहचान 2 वर्षीय सिंधुश्री, 5 महीने की हय्यालप्पा, तीन महीने की रक्षा और 26 वर्षीय लिंगप्पा के रूप में की गई। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं।

दुर्घटना में यल्लम्मा (30), मल्लम्मा (20) और नागप्पा (35) को गंभीर चोटें आईं। मल्लम्मा की हालत गंभीर है। पुलिस के अनुसार, मृतक और घायल एक कार में यात्रा कर रहे थे और यह दुर्घटना तब हुई जब चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और कार पुल से जा टकराई।

संबोधन

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू गुरुवार को मंडी जिले के धर्मपुर में राज्यत्व दिवस समारोह के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए।

क्या अभिनय छोड़ रही हैं परिणीति चोपड़ा?

मुंबई/एजेन्सी

परिणीति चोपड़ा को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसे सुनकर उनके प्रशंसकों को झटका लग सकता है। राघव चड्ढा से शादी को बाद एक्ट्रेस के फिल्मी करियर को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे थे। कई लोगों का मानना था कि परिणीति राजनीति ज्वाइन करने वाली हैं। हालांकि, अब इन सभी खबरों पर परिणीति ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। शादी के बाद परिणीति अब अपने जीवन का नया चैप्टर शुरू करने जा रही है। 'इश्कजादे' एक्ट्रेस अब एक्टिंग के अलावा सिंगिंग में भी अपना जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर इस बात की घोषणा की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि संगीत की दुनिया में वह अपना करियर शुरू करने जा रही हैं।

अपनी इस नई जर्नी को लेकर परिणीति चोपड़ा बेहद एक्साइटेड हैं। वहीं इस गुड न्यूज को फैंस के साथ शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लंबा चौड़ा कैप्शन भी लिखा है। वह लिखती हैं कि 'म्यूजिक हमेशा से मेरे लिए एक हैप्पी प्लेस रहा है। मैं सालों से कई सारे म्यूजिशियन को स्टेज पर परफॉर्म करते हुए देखती आ रही हूं। वहीं अब मैं भी इस दुनिया का हिस्सा बनने जा रही हूं। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं। मैं अपने जीवन में एक नया चैप्टर शुरू करने को लेकर बेहद एक्साइटेड हूं।'

परिणीति के इस पोस्ट पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। फैंस उन्हें उनकी इस नई जर्नी के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। मनीष मल्होत्रा ने भी परिणीति के इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए ढेर सारी हार्ट वाली इमोजी बनाई है। गौरतलब है कि एक्ट्रेस ने टीएम वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और टीएम टैलेंट मैनेजमेंट के साथ हाथ मिलाया है, जो देश के मशहूर सिंगर को रिप्रेजेंट करता है। इस कंपनी के साथ अरिजीत सिंह, सुनिधि चौहान, बादशाह, अमित त्रिवेदी सहित 25 से बड़े कलाकारों के नाम जुड़े हुए हैं।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह आधिकारिक तौर पर एक गायिका के रूप में संगीत क्षेत्र में कदम रख रही हैं। शास्त्रीय संगीत की पृष्ठभूमि रखने वाली चोपड़ा ने एंटरटेनमेंट कंसल्टेंट एलएलपी के साथ एक करार किया है, जो मनोरंजन जगत में एक प्रसिद्ध नाम है। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा संगीत, मेरे लिए, हमेशा खुशी की जगह रही है। मैंने दुनिया भर के अनगिनत संगीतकारों को मंच पर कार्यक्रम पेश करते देखा है और अब आखिरकार उस दुनिया का हिस्सा बनने का समय आ गया है।''

उन्होंने कहा, ''मैं अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू करने को लेकर बहुत भाग्यशाली, धन्य महसूस करती हूं और मैं बता नहीं सकती कि इस संगीत यात्रा को शुरू करने के लिए मैं कितना उत्साहित हूं।'' उन्होंने कहा कि यह यात्रा मुझे एक साथ दो क्षेत्रों में करियर बनाने का अवसर देती है। परिणीति चोपड़ा संगीत की दुनिया में पूरी तरह से नयी नहीं हैं क्योंकि उन्होंने 2017 की अपनी फिल्म मेरी प्यारी बिंदु के लिए माना के हम यार नहीं गाना गाया था।

आज के युवाओं को प्रेरित करेगी 'श्रीमद रामायण'

मुंबई/वार्ता

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित हो रहे शो श्रीमद रामायाण में श्री राम की भूमिका निभा रहे सुजय रेऊ ने कहा है कि श्रीमद रामायण न सिर्फ पुरानी पीढ़ी को बल्कि आज के युवाओं को भी प्रेरित करने के लिए बनाई गई है।

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के दिव्य महाकाव्य 'श्रीमद रामायण' में भगवान राम की कालजयी यात्रा को दर्शाया गया है और संपूर्ण मूल्यों और जीवन के सबक पर जोर दिया गया है जो आज भी प्रासंगिक हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का किरदार निभाने वाले सुजय रेऊ ने बताया, मुझे पता चला कि मुझे 'श्रीमद रामायण' में सबसे प्रतिष्ठित देवता, 'भगवान राम' का किरदार निभाने के लिए चुना गया है, तो मैं अभिभूत हो गया। और, साथ ही, मुझे खुशी और उत्साह का अनुभव हुआ।

सबसे पहली चीज़ जो मैंने की वह ईश्वर के प्रति अपना आभार व्यक्त किया क्योंकि मेरा मानना है कि मुझ पर उनका आशीर्वाद था। मेरी यात्रा कई दौर के ऑडिशन और मॉक शूट के साथ शुरू हुई, क्योंकि भगवान राम को चित्रित करते समय सही मौखिक और गैर-मौखिक भावनाओं को सामने लाना बहुत महत्वपूर्ण था, जिन्हें वीरता और सदाचार का अवतार माना जाता है।

जब आख़िरकार मेरे चयन की ख़बर आई, तो सचमुच मेरे पास शब्द नहीं थे। यह पूरा अनुभव संतुष्टिदायक रहा क्योंकि यह भूमिका हासिल करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। और, यह उत्साह इस यात्रा के पूरा होने तक, शूटिंग के आखिरी दिन तक जारी रहेगा।भगवान राम का किरदार निभाना निश्चित रूप से एक बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम', आदर्श पुरुष और सभी में सर्वश्रेष्ठ कहा जाता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520 Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016 posted at Patrika Channel, Egmore RMS, Chennai-8

WISHING YOU ALL A HAPPY

75th REPUBLIC DAY

GOVERNMENT OF KARNATAKA

Department of
Information & Public Relations

Shakthi

Shakthi scheme is a boon for women like me who come from poor and middle class. I use the money I save from free bus travel for my household expenses. It has given me peace of mind, thanks to the Karnataka Government.

Kamala Bai
Beneficiary

Gruha Jyothi

I get a zero bill today, thanks to the Gruhajyothi scheme launched by the Government headed by Sri Siddaramaiah. The money I save from my electricity bill helps me buy medicines. I am grateful to the government.

Gangamma
Beneficiary

Anna Bhagya

Annabhagya scheme of Sri Siddaramaiah led Government is a blessing for people like us. Besides 5 kg rice, Rs 170 per head is deposited into our account every month instead of additional 5 kg of food grains. This helps me purchase small things for my home.

Madhu
Beneficiary

Gruha Lakshmi

I get Rs 2000 from the Gruhalakshmi scheme. The amount is helping me manage my household expenses. I am grateful to Chief Minister Sri Siddaramaiah and Deputy Chief Minister D. K. Shivakumar.

Lepakshi
Beneficiary

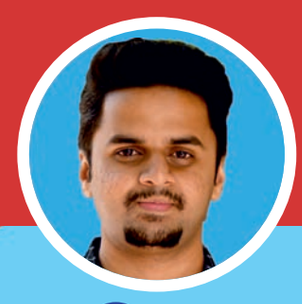

Yuva Nidhi

I am getting Rs. 3000 unemployment allowance from the Karnataka government under Yuvanidhi scheme. I use that amount to prepare for my competitive exams. Yuvanidhi is a blessing for youth like us.

Hemanth
Beneficiary

“Equality, religious tolerance, brotherhood and unity are the key aspirations of **Dr. B. R. Ambedkar’s Constitution**. Governance based on **democratic principles and fundamental rights to the very last person is Our Government’s motto...**”

Sri Siddaramaiah
Hon’ble Chief Minister

Sri D. K. Shivakumar
Hon’ble Deputy Chief Minister

KARNATAKA GOVERNMENT
GUARANTEE GOVERNMENT

DELIVERED AS PROMISED...

- FREE BUS Service for women across Karnataka
- Gruha Jyothi: Up to 200 Units of Free Electricity to each home
- Anna Bhagya: 10kg Free Food Grains (per person / per month) Rs. 170 per head in lieu of 5kg food grains
- Gruha Lakshmi: ₹2000 per month to female head of the family
- Yuva Nidhi: ₹3000 Per month for Graduates | ₹1500 Per month for Diploma Holders

As enshrined in our Constitution - to safeguard public property and to abjure violence is the fundamental duty of every citizen of India.

CMofKarnataka https://dipr.karnataka.gov.in/

karnataka information

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.